website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 297 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी 4 अक्टूबर को युवाओं के लिए शुरू करेंगे 62,000 करोड़ रुपये की योजनाएं, बिहार पर विशेष जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 4 अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में युवाओं के लिए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की शुरुआत करेंगे। इस दौरान कौशल दीक्षांत समारोह का चौथा संस्करण भी आयोजन होगा, जहां 46 आईटीआई टॉपर्स को सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री इस मौके पर पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआईज) योजना लॉन्च करेंगे। इस योजना में 60,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इसके तहत देशभर की 1,000 सरकारी आईटीआई को अपग्रेड किया जाएगा। इनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल होंगी। प्रत्येक हब 4 स्पोक से जुड़ा होगा। इन क्लस्टर्स में डिजिटल लर्निंग सिस्टम, इनोवेशन सेंटर, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स, प्रोडक्शन यूनिट्स और प्लेसमेंट सर्विसेज होंगी। खास बात यह है कि यह आईटीआई मॉडल सरकारी स्वामित्व में होगा लेकिन इसका प्रबंधन उद्योग साझेदारों द्वारा किया जाएगा। इस योजना को विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक का सहयोग मिलेगा। पहले चरण में पटना और दरभंगा के आईटीआई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके अलावा प्रधानमंत्री 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालय और 200 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन लैब्स में आईटी,

ऑटोमोबाइल, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे 12 प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही 1,200 व्यावसायिक शिक्षक भी प्रशिक्षित किए जाएंगे।

बिहार पर खास जोर देते हुए प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का नया संस्करण लॉन्च करेंगे। इसके तहत हर साल लगभग 5 लाख स्नातक युवाओं को दो साल तक हर महीने 1,000 रुपये और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही बिहार छात्र क्रेडिट कार्ड योजना का नया संस्करण भी शुरू किया जाएगा, जिसमें छात्रों को 4 लाख रुपये तक का पूरी तरह ब्याजमुक्त शिक्षा ऋण मिलेगा। अब तक 3.92 लाख छात्रों को 7,880 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण दिए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री बिहार युवा आयोग का भी उद्घाटन करेंगे, जो 18 से 45 वर्ष के युवाओं के लिए वैधानिक आयोग होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगे। यह विश्वविद्यालय उद्योग-उन्मुख कोर्स और व्यावसायिक शिक्षा देगा। साथ ही प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के तहत बिहार की चार विश्वविद्यालयों-पटना यूनिवर्सिटी, भूपेंद्र नारायण मंडल यूनिवर्सिटी (मधेपुरा), जय प्रकाश यूनिवर्सिटी (छपरा) और नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी (पटना) में 160 करोड़ रुपये की लागत से नए शैक्षणिक और शोध भवन बनाए जाएंगे। इनसे 27,000 से अधिक छात्रों को आधुनिक प्रयोगशालाएं, हॉस्टल और बहुविषयक शिक्षा सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री एनआईटी पटना के बिहटा परिसर को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस परिसर में 6,500 छात्रों के लिए जगह है और इसमें 5जी यूज केस लैब, इसरो के सहयोग से बना रीजनल एकेडमिक सेंटर फॉर स्पेस और इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर है, जिसने अब तक 9 स्टार्टअप्स को समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बिहार सरकार में नए नियुक्त 4,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे और मुख्यमंत्री बालक/बालिका छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 9 और 10 के 25 लाख छात्रों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए 450 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति भी वितरित करेंगे। इन योजनाओं से युवाओं को शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के बड़े अवसर मिलेंगे। बिहार को कुशल मानव संसाधन का केंद्र बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा और इससे राज्य व देश दोनों के विकास को नई गति मिलेगी।

अमित शाह ने रोहतक में 350 करोड़ की साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया

-बोले- डेयरी क्षेत्र में 11 साल में 70% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हरियाणा के रोहतक में साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। यह देश का सबसे बड़ा प्लांट है जो दही, छाछ और योगर्ट का उत्पादन करेगा। लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्लांट से दिल्ली-एनसीआर सहित आसपास के राज्यों में डेयरी उत्पादों की आपूर्ति होगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की दशकों पुरानी मांग पूरी करते हुए सहकारिता मंत्रालय बनाया। पिछले चार वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से सहकारिता क्षेत्र की नींव मजबूत हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2029 तक हर पंचायत में एक सहकारी समिति होगी।

शाह ने बताया कि पिछले 11 सालों में भारत का दूध उत्पादन 146 मिलियन टन से बढ़कर 239 मिलियन टन हो गया है। देशी गायों का दूध उत्पादन भी 29 मिलियन टन से बढ़कर 50 मिलियन टन तक पहुंच गया है। आज 8 करोड़ किसान सीधे डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं और प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता 124 ग्राम से बढ़कर 471 ग्राम तक हो गई है।

साबर डेयरी प्लांट की क्षमता को लेकर शाह ने बताया कि यहां रोजाना 150 मीट्रिक टन दही, 10 मीट्रिक टन योगर्ट, 3 लाख लीटर छाछ और 10,000 किलो मिठाई का उत्पादन होगा। इस प्लांट से हरियाणा के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार के किसान भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने गुजरात की डेयरी सहकारी समितियों की मिसाल देते हुए कहा कि वहां 35 लाख महिलाएं हर साल 85,000 करोड़ रुपये का कारोबार करती हैं। उन्होंने कहा प्रजनन तकनीक, बायोगैस, मधुमक्खी पालन और जैविक खेती जैसे वैज्ञानिक नवाचारों को अब हरियाणा में भी लागू किया जाना चाहिए।

हरियाणा के प्रदर्शन पर शाह ने कहा कि राज्य प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता में हमेशा पहले से तीसरे स्थान के बीच रहा है। उन्होंने घोषणा की कि श्वेत क्रांति 2.0 के तहत देशभर में 75,000 से अधिक नई डेयरी समितियां बनाई जाएंगी और 46,000 मौजूदा समितियों को और मजबूत किया जाएगा। मौजूदा 660 लाख लीटर प्रतिदिन दूध प्रोसेसिंग क्षमता को 2028-29 तक बढ़ाकर 100 मिलियन लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। इससे सीधे किसानों और विशेषकर महिलाओं को लाभ मिलेगा। सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए शाह ने राष्ट्रीय गोपाल मिशन, राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, पशुपालन बुनियादी ढांचा विकास कोष और राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम को भी उजागर किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अब डेयरी प्लांट निर्माण और शोध में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है, जिससे उत्पादन और नवाचार में तेजी आएगी और सहकारी क्षेत्र और अधिक मजबूत होगा।

उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सरकार सख्त कार्रवाई करेगी : केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले और कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) के लिए अतिरिक्त शुल्क जैसे अनुचित शुल्क वसूलने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रैक्टिस "डार्क पैटर्न" के समान हैं जो खरीदारों का शोषण करती हैं और निष्पक्ष व्यापार सिद्धांतों के खिलाफ हैं। केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक यूजर्स की पोस्ट के जवाब में दिया गया है, जिसमें ई-कॉमर्स प्लेयर फ्लिपकार्ट की ओर से ऑफर हैंडलिंग फीस, पेमेंट हैंडलिंग फीस और प्रोटेक्ट प्रॉमिस जैसी कई फीस वसूलने का जिक्र किया गया था।

जोशी ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को सीओडी शुल्क के खिलाफ शिकायतें पहले ही मिल चुकी हैं और उन्होंने विस्तृत जांच शुरू कर दी है

जोशी ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को सीओडी शुल्क के खिलाफ शिकायतें पहले ही मिल चुकी हैं और उन्होंने विस्तृत जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आगे कहा, "प्लेटफॉर्म की बारीकी से

जांच की जा रही है और उपभोक्ता अधिकारों के किसी भी उल्लंघन पर भारत के बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निष्पक्ष व्यवहार बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

विभाग न केवल अनुचित शुल्कों की निगरानी कर रहा है, बल्कि इस बात पर भी नजर रख रहा है कि ये कंपनियां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का लाभ उपभोक्ताओं तक कैसे पहुंचाती हैं

विभाग न केवल अनुचित शुल्कों की निगरानी कर रहा है, बल्कि इस बात पर भी नजर रख रहा है कि ये कंपनियां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का लाभ उपभोक्ताओं तक कैसे पहुंचाती हैं। इससे पहले उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के माध्यम से अब तक जीएसटी से संबंधित 3,981 प्रश्नों और शिकायतों का समाधान किया है।

सीसीपीए शिकायतों पर कड़ी नजर रख रहा है और पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहा है, साथ ही, उपभोक्ताओं को गलत सूचनाओं से बचा रहा है

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "सीसीपीए शिकायतों पर कड़ी नजर रख रहा है और पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहा है, साथ ही, उपभोक्ताओं को गलत सूचनाओं से बचा रहा है। यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि जीएसटी सुधारों का लाभ वास्तव में हर भारतीय तक पहुंचे।" उन्होंने कहा कि जहां भी कर लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रहे हैं, वहां जीएसटी अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में 6 अक्टूबर से मौसम फिर पलटेगा

- मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के निवासियों के लिए एक बार फिर

मौसम का मिजाज बदलने वाला है। कुछ दिनों तक सामान्य रहने के बाद सोमवार, 6 अक्टूबर से यहां के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने इस दिन के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए तेज बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी दी है।

हाल के दिनों में एनसीआर का मौसम काफी हद तक सामान्य बना हुआ था। मौसम विभाग के मुताबिक 3 और 4 अक्टूबर को आसमान में बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश नहीं होगी। इन दिनों अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाएगा। हालांकि, 5 अक्टूबर से इस स्थिति में बदलाव की शुरुआत होगी, जब बारिश और गरज के साथ आंधी चलने का पूर्वानुमान जताया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक असली बदलाव 6 अक्टूबर से होगा। मौसम विभाग के अनुसार, इस पूरे दिन हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने के साथ-साथ गरज और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दौरान ह्मिडिटी का स्तर 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत के बीच बना रह सकता है, जो बारिश के बाद भीषण गर्मी का अहसास करा सकता है। यह अस्थिर मौसम 7 अक्टूबर को भी जारी रहने की संभावना है। इस दिन भी ठीक इसी तरह से पूरे दिन थंडरस्टॉर्म के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। हालांकि, तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिसमें न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग द्वारा जारी येलो अलर्ट का मतलब है कि मौसम 'खराब' हो सकता है। ऐसे में निवासियों को सतर्क रहने और नवीनतम मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी जाती है। खासकर यात्रा के दौरान सावधानी बरतने, बिजली के खंभों और पेड़ों से दूर रहने तथा अगर संभव हो तो घर के अंदर ही रहने की बात की जाती है। हालांकि, राहत की बात यह है कि 8 अक्टूबर तक आते-आते मौसम फिर से सामान्य हो जाएगा। इस दिन मुख्यतः साफ आसमान रहने का पूर्वानुमान है और कोई चेतावनी भी जारी नहीं की गई है। तापमान 32 डिग्री अधिकतम और 22 डिग्री न्यूनतम रहने का अनुमान है।

मध्यप्रदेश सरकार ने 8.8 लाख किसानों को 653 करोड़ रुपये का दिया मुआवजा

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार ने अत्यधिक बारिश और येलो मोज़ेक वायरस (Yellow Mosaic Virus) से हुए फसल नुकसान के लिए 8.8 लाख किसानों को कुल 653 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में वितरित किए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि यह वायरस राज्य के 12 जिलों में लगभग 3,00,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को प्रभावित कर चुका है। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किसानों से कहा, "यह पहली बार है जब फसल के बाजार पहुँचने से पहले ही मुआवजा राशि वितरित की गई है। भविष्य में भी हम इसी तरह का सहयोग देंगे।"

मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि किसानों की कीमत अंतर को कवर करने वाला 'भावांतर योजना' (Bhavantar Scheme) भी उपलब्ध रहेगा। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह वायरस प्रमुख दलहन उत्पादक क्षेत्रों में फैल चुका है। बुरहानपुर जिले में एक केला किसान को 3.6 लाख रुपये का मुआवजा मिला, जो व्यक्तिगत नुकसान की गंभीरता को दर्शाता है। कुल 8,84,880 किसानों को 3,554 गांवों में 6,52,865 हेक्टेयर फसल नुकसान के लिए मुआवजा दिया गया। इनमें से 3,90,275 किसानों को 1,854 गांवों में अत्यधिक वर्षा और जलभराव से हुए नुकसान के लिए मुआवजा मिला, जिसने 3,49,498 हेक्टेयर क्षेत्र को प्रभावित किया।

रातलाम जिले को सबसे अधिक 171 करोड़ रुपये का आवंटन मिला, इसके बाद नीमच को 119 करोड़ और मंदसौर को 35 करोड़ रुपये मिले। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में औसत फसल हानि 40% से 70% तक के माध्यम से ट्रांसफर की जाती है। कृषि विभाग क्षेत्र सर्वेक्षण और उपग्रह इमेजरी का उपयोग कर नुकसान की पुष्टि और सही मुआवजा सुनिश्चित कर रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सरकार संकट के समय किसानों

है, जो संक्रमण की गंभीरता और फसल की किस्म पर निर्भर करती है। येलो मोज़ेक वायरस मुख्य रूप से सोयाबीन और उच्चा प्रोटीन वाली दलहन फसलों जैसे उरद व मूंग को प्रभावित करता है। यह पत्तियों का पीला पड़ना, वृद्धि में रुकावट और पैदावार में गिरावट पैदा करता है। यह वायरस सफेद मक्खियों द्वारा फैलता है और गरम व आर्द्र मौसम में तेजी से बढ़ता है, जिससे मध्यप्रदेश के बड़े हिस्से विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

सरकार का राहत पैकेज तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिसमें मुआवजा राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डिजिटल प्रणाली के साथ खड़ी है, खासकर त्योहारों के सीजन में। उन्होंने लंबी अवधि की रणनीतियों की भी ओर संकेत किया, जिसमें रोग-प्रतिरोधी फसल किस्मों का विकास और बेहतर कीट प्रबंधन प्रणाली शामिल है।

किसानों ने इस घोषणा का स्वागत किया है, लेकिन कई किसानों ने बेहतर आधारभूत संरचना, गुणवत्तापूर्ण बीज और समय पर सलाह जैसी अतिरिक्त सहायता की भी मांग की है। यह वित्तीय पहल हाल के वर्षों में किसी भी राज्य स्तर पर पौध रोग प्रकोप के प्रति सबसे बड़ा जवाब है, जो जलवायु-संवेदनशील चुनौतियों के बीच कृषि क्षेत्र की मजबूती की आवश्यकता को दर्शाता है।

भारत ने आतंकवाद को निशाना बनाया, नागरिकों या सैन्य प्रतिष्ठानों को नहीं - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को हैदराबाद में जैन इंटरनेशनल ट्रेड कम्युनिटी (JITO) के कार्यक्रम में कहा कि भारत ने हमेशा आतंकवाद को ही निशाना बनाया है, न कि नागरिकों या सैन्य प्रतिष्ठानों को। उन्होंने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर को भारत की नागरिकों और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए उठाए गए ठोस कदम बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, "जब भी भारत का गौरव और सम्मान दांव पर लगा, हमने कोई समझौता नहीं किया। पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते समय भी हमने आतंकवादियों का धर्म नहीं देखा, बल्कि सीधे आतंकवाद को निशाना बनाया।" उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की बढ़ती सैन्य और आर्थिक शक्ति का उद्देश्य किसी पर प्रभुत्व जमाना नहीं है, बल्कि अपने सांस्कृतिक मूल्यों, आध्यात्मिक परंपराओं और भगवान महावीर के मानवीय आदर्शों की रक्षा करना है। रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा निर्यात 2014 में जहां केवल 600 करोड़ रुपये था, वहीं आज यह 24,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। सरकार का लक्ष्य है कि 2029 तक रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये को पार कर जाए। उन्होंने वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की फैक्ट्री के रूप में उभरेगा। यह सब सरकार की साफ नीयत और राष्ट्रहित में बनी नीतियों की वजह

कहा कि आज भारतीय सशस्त्र बल तेजस लड़ाकू विमान, आकाश मिसाइल, और अर्जुन टैंक जैसे स्वदेशी हथियारों और प्लेटफॉर्म से लैस हो रहे हैं। हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 97 हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए समझौता हुआ है, जिसमें 64% से अधिक सामग्री स्वदेशी है। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया और कहा, "आज भारत खिलौनों से लेकर टैंकों तक सब कुछ बना रहा है। भारत तेजी से दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है और से संभव हो रहा है।" अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने भारत की आर्थिक प्रगति पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत इस समय दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की रिपोर्ट के अनुसार, औसत विकास दर को देखते हुए भारत 2038 तक क्रय शक्ति समता (PPP) के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चार देशों के राजदूतों से स्वीकार किए परिचय पत्र

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक औपचारिक समारोह में चार देशों के राजदूतों से उनके परिचय पत्र स्वीकार किए। जिन देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए, उनमें मॉरिटानिया, लक्ज़मबर्ग, कनाडा और स्लोवेनिया शामिल हैं। समारोह में मॉरिटानिया के राजदूत अहमदौ सिदी मोहम्मद, लक्ज़मबर्ग के ग्रैंड डची के राजदूत क्रिश्चियन बीवर, कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर और स्लोवेनिया के राजदूत टोमाज मेनसिन उपस्थित रहे। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसकी जानकारी साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर तस्वीरें और विवरण भी पोस्ट किए। गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक दिन पहले

गुरुवार को लाल किला, नई दिल्ली में दशहरा पर्व के कार्यक्रम में भी शिरकत की थी। इस अवसर पर उन्होंने आतंकवाद को मानवता पर प्रहार बताते हुए कहा कि उसका दमन करना अनिवार्य है। उन्होंने भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' को आतंकवाद के रावण पर मानवता की विजय का प्रतीक बताया। राष्ट्रपति ने विजयादशमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, जीत हमेशा सत्य और धर्म की होती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापानी मंत्री ने सूरत बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थल का दौरा किया।

दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की

रेल मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे। दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की।

देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग

यह दौरा भारत और जापान के बीच देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दर्शाता है। इससे पहले जापान के मंत्री हिरोमासा नाकानो का आज सूरत हवाईअड्डे पर पारंपरिक गरबा से स्वागत किया गया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अपराध के आंकड़े: समाज की चुनौतियां और सुधार का रास्ता

अपराध के आंकड़े हमें समाज और राजनीति की गहरी झलक दिखाते हैं। हाल ही में जारी एनसीआरबी के ताजा आंकड़े इस ओर इशारा करते हैं कि अपराध का चरित्र और उसका स्वरूप समय के साथ बदलता गया है। आज़ादी के शुरुआती वर्षों में देश में हत्या की दर करीब 2.6 प्रति लाख आबादी थी। लेकिन यह दर बढ़ते-बढ़ते वर्ष 1990 तक लगभग दूनी हो गई। यह उस दौर की राजनीतिक अस्थिरता, जातीय और साम्प्रदायिक तनाव, बेरोजगारी और सामाजिक असुरक्षा का संकेत था। हालांकि, पिछले तीन दशकों में यह दर लगातार गिरकर अब 2.3 पर आ गई है। यह बात उम्मीद जगाती है कि हिंसक अपराधों को नियंत्रित करने में संस्थाएं और समाज ने कुछ सफलता हासिल की है। तुलना के लिए देखें तो अमेरिका जैसे विकसित देश में हत्या की दर भारत से करीब तीन गुना ज्यादा है। इसके बावजूद भारत में सामाजिक स्तर पर कई गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं। समाज में अपराध का रूप केवल हत्या या डकैती तक सीमित नहीं रहा है। लम्पटता और आवारगी का रूप ज्यादा भयावह हो गया है। नशे की हालत में तेज रफ्तार गाड़ी चलाकर लोगों को कुचलने की घटनाएं, सार्वजनिक स्थानों पर मारपीट और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण तकनीक और आधुनिक साधनों की बेकाबू उपलब्धता भी है। मोबाइल में गंदे वीडियो, नशे और अन्य विकृत सामग्रियों की आसान पहुंच ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और आचरण पर बुरा असर डाला है। नतीजतन, महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराधों में खतरनाक इजाफा देखने को मिला है। साइबर अपराध भी बीते वर्षों में तेजी से फैले हैं। इंटरनेट के विस्तार के साथ धोखाधड़ी, हैकिंग, डेटा चोरी और ऑनलाइन उत्पीड़न जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। खास बात यह है कि हत्या जैसे गंभीर अपराधों को पुलिस छिपा नहीं सकती, लेकिन महिलाओं पर अत्याचार, दुष्कर्म या बच्चों के खिलाफ अपराधों में अक्सर एफआईआर दर्ज करने में कोताही बरती जाती है। कई राज्यों में पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने से बचती है या अपराध की गंभीरता कम करके पेश करती है। यह प्रवृत्ति न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि पीड़ितों को न्याय से वंचित भी करती है। आंकड़ों में एक दिलचस्प विरोधाभास यह भी सामने आता है। आईपीसी अपराधों की संख्या प्रति लाख आबादी में देखें तो दिल्ली सबसे ऊपर है और उसके बाद केरल का स्थान आता है, जबकि झारखण्ड सबसे नीचे दिखता है। लेकिन हत्या के मामलों में तस्वीर पलट जाती है। झारखण्ड में हत्या की दर दिल्ली से डेढ़ गुना और केरल से तीन गुना ज्यादा पाई गई है।

ट्रम्प, मुनीर और शरीफ की ओवल ऑफिस तस्वीर: भारत के लिए भू-राजनीति का बड़ा संकेत

-भविष्य की संभावनाएँ और दक्षिण एशिया का परिदृश्य

दुनिया की राजनीति में तस्वीरें अक्सर शब्दों से कहीं ज्यादा बोलती हैं। 2025 की शुरुआत में व्हाइट हाउस से निकली एक तस्वीर — जिसमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर एक साथ ओवल ऑफिस में बैठे दिखाई देते हैं — दक्षिण एशिया की राजनीति पर गहरे प्रभाव छोड़ने वाली छवि बन चुकी है। यह तस्वीर केवल एक मुलाकात की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय रिश्तों की कई परतों को खोलती है। भारत के लिए यह तस्वीर एक संकेत है कि जिस कूटनीतिक रणनीति को पिछले एक दशक से आगे बढ़ाया जा रहा था — यानी पाकिस्तान को अलग-थलग करना और अमेरिका को भारत के साथ मजबूत साझेदारी के लिए आकर्षित करना — उसमें अब एक मोड़ आ चुका है।

पाकिस्तान-अमेरिका रिश्तों का इतिहास: एक झलक

पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्तों को समझना ज़रूरी है क्योंकि तभी इस तस्वीर के गहरे मायने सामने आते हैं।

शुरुआती दशक (1950–1970) पाकिस्तान ने आज़ादी के तुरंत बाद अमेरिका की ओर झुकाव दिखाया।

उसे सैन्य और आर्थिक मदद मिली। भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का हिस्सा था, जबकि पाकिस्तान पश्चिमी खेमे का।

अफगानिस्तान युद्ध और 1980 का दशक : सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका को पाकिस्तान की ज़रूरत थी। जनरल जिया-उल-हक़ के दौर में पाकिस्तान को भारी मदद मिली और उसका महत्व चरम पर पहुँचा। 9/11 और वॉर ऑन टेरर: 2001 के बाद पाकिस्तान 'फ्रंटलाइन स्टेट' बन गया। अमेरिका ने पाकिस्तान को अरबों डॉलर की मदद दी। लेकिन डबल-गेम (आतंकी संगठनों को भी समर्थन) की वजह से रिश्ता हमेशा संदेह भरा रहा।

एबटाबाद 2011 – लादेन का प्रकरण : ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में छिपा मिला। अमेरिका ने एकतरफा ऑपरेशन कर उसे मार गिराया। इसके बाद पाकिस्तान पर अविश्वास बढ़ा लेकिन संबंध टूटे नहीं।

आज की स्थिति: अमेरिका पाकिस्तान को अभी भी गैर-नाटो मित्र राष्ट्र की सूची से बाहर नहीं करता। सैन्य, सुरक्षा और अफगानिस्तान स्थिरता मामलों में पाकिस्तान की भूमिका बनी रहती है।

भारत-अमेरिका रिश्ता: बढ़ती निकटता लेकिन सीमाएँ

भारत और अमेरिका के रिश्तों में पिछले 20 साल में बड़ा बदलाव आया है। परमाणु समझौता (2008) ने साझेदारी को नई ऊँचाई दी। व्यापार, तकनीक, रक्षा अभ्यास और इंडो-पैसिफिक रणनीति में सहयोग बढ़ा। लेकिन भारत कभी भी अमेरिका के पारंपरिक घनिष्ठ सुरक्षा साझेदार की सूची में नहीं आ सका। अमेरिका का पाकिस्तान के साथ सुरक्षा ढांचा हमेशा सक्रिय रहा।

ओवल ऑफिस की तस्वीर: क्यों अहम है?

अब आते हैं उस तस्वीर पर, जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प, शहबाज़ शरीफ और जनरल आसिम मुनीर एक साथ बैठे हैं। यह तस्वीर तीन स्तर पर संदेश देती है: पाकिस्तान में सत्ता-संतुलन की हकीकत: पाकिस्तान की राजनीति में हमेशा यह सवाल रहा है कि असली ताकत किसके पास है:

चुनी हुई सरकार या फौज?: तस्वीर में प्रधानमंत्री और सेनाध्यक्ष बराबर की कुर्सी पर बैठे हैं। यह दर्शाता है कि पाकिस्तान अब आधिकारिक तौर पर "हाइब्रिड रेजीम" है — न पूरी तरह लोकतंत्र, न पूरी तरह फौजशाही।

अमेरिका का रुख: अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान की फौज और सरकार दोनों उसके लिए समान रूप से प्रासंगिक हैं। यही वजह है कि वाशिंगटन ने प्रधानमंत्री और सेनाध्यक्ष को साथ बैठाया। यह संकेत है कि अमेरिका पाकिस्तान को पूरी तरह त्यागने वाला नहीं है।

भारत के लिए संदेश: भारत ने 2016 से यह नीति अपनाई थी कि पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग किया जाए। लेकिन इस तस्वीर से साफ है कि अमेरिका ने पाकिस्तान से दूरी नहीं बनाई। इसका मतलब है कि भारत को अब नई रणनीति बनानी होगी।

तस्वीर की तुलना: 2019 बनाम 2025

2019 में जब इमरान खान व्हाइट हाउस पहुँचे थे, तो उनके साथ जनरल कमर जावेद बाजवा भी थे। उस समय सेनाध्यक्ष पीछे बैठे थे और प्रधानमंत्री आगे। लेकिन 2025 में हालात बदल गए हैं। अब प्रधानमंत्री और सेनाध्यक्ष बराबरी पर हैं। यानी पाकिस्तान में फौज की हैसियत अब और मज़बूत हो चुकी है।

पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति और फौज

पाकिस्तान को समझने के लिए उसकी सत्ता-संरचना जानना ज़रूरी है। 1947 से अब तक पाकिस्तान में कोई भी प्रधानमंत्री अपनी पूरी टर्म पूरी नहीं कर पाया। फौज ने सीधे या परोक्ष रूप से सत्ता पर कब्ज़ा रखा। शरीफ परिवार और भुट्टो परिवार – दोनों बार-बार फौज से टकराए और सत्ता गंवाई। नवाज़ शरीफ ने 1993 में कहा था – "थोड़ा यह भी, थोड़ा वह भी नहीं चलेगा।" लेकिन 2025 में उनका भाई शहबाज़ शरीफ इस व्यवस्था को स्वीकार कर चुके हैं।

भारत के लिए सबक

भारत को इस तस्वीर से कई संदेश मिलते हैं: अमेरिका हमेशा पाकिस्तान को प्रासंगिक रखेगा अफगानिस्तान, चीन और ईरान से जुड़ी रणनीति में पाकिस्तान की भू-स्थिति अहम है। अमेरिका चाहे जितना भारत की तरफ झुके, पाकिस्तान को पूरी तरह नहीं छोड़ेगा।

भारत की कूटनीतिक चुनौती: भारत को यह भ्रम नहीं रखना चाहिए कि पाकिस्तान अलग-थलग हो चुका है। बल्कि, भारत को अपनी कूटनीति और मज़बूत करनी होगी।

भारत-अमेरिका रिश्तों की सीमा: अमेरिका भारत को एक रणनीतिक साझेदार तो मानेगा, लेकिन पाकिस्तान को सुरक्षा साझेदार की तरह रखेगा। दोनों का रोल अलग-अलग होगा।

भविष्य की संभावनाएँ

आगे क्या हो सकता है?: भारत को बहु-ध्रुवीय कूटनीति अपनानी होगी सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं। रूस, यूरोप, खाड़ी देश और दक्षिण-पूर्व एशिया – सबके साथ संबंध मजबूत करने होंगे।

पाकिस्तान की राजनीति में स्थिरता नहीं: पाकिस्तान में फौज और सरकार का यह साझा मॉडल टिकाऊ नहीं दिखता। भविष्य में टकराव फिर हो सकता है।

भारत-पाक रिश्ते: कश्मीर और आतंकवाद का मुद्दा जस का तस रहेगा। लेकिन अमेरिका अब दोनों पक्षों से बातचीत की उम्मीद रखेगा। ओवल ऑफिस की वह तस्वीर केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की भू-राजनीति का आईना है। इसमें साफ दिखता है कि: पाकिस्तान में फौज और सरकार दोनों बराबर हैं। अमेरिका पाकिस्तान से दूरी नहीं बना सकता। भारत को यह मान लेना चाहिए कि पाकिस्तान को पूरी तरह अलग-थलग करना संभव नहीं।

अमेरिका की रणनीति: 'नियंत्रित संतुलन'

अमेरिका का दृष्टिकोण यह रहा है कि दक्षिण एशिया में कभी भी भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण असंतुलन न बने। जब भारत बहुत अधिक मज़बूत होकर अमेरिका के साथ खड़ा दिखाई देता है, तो वॉशिंगटन पाकिस्तान की ओर हाथ बढ़ाता है। और जब पाकिस्तान का झुकाव पूरी तरह चीन की तरफ जाता है, तब अमेरिका उसे आर्थिक-सैन्य सहयोग का लालच देकर अपनी ओर खींचता है। यही नीति Controlled Balance कहलाती है।

आईसीएओ में ताइवान की भागीदारी: चीन की राजनीति बनाम दुनिया की सुरक्षा

-'सुरक्षित आकाश, सतत भविष्य' का सपना ताइवान को शामिल किए बिना अधूरा

अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) दुनिया का सबसे बड़ा बहुपक्षीय मंच है, जो हवाई यात्रा से जुड़े नियम-कायदे, सुरक्षा मानक और वैश्विक दिशानिर्देश तय करता है। इस मंच पर लिए गए निर्णय दुनिया भर में विमानन प्रणाली की सुरक्षा, टिकाऊपन और सहयोग सुनिश्चित करते हैं। परंतु विडंबना यह है कि पूर्वी एशिया का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण केंद्र होने के बावजूद ताइवान को इस मंच से बाहर रखा जाता है। वजह सिर्फ यह है कि चीन ताइवान को अपनी 'एक-चीन नीति' के नाम पर अलग पहचान देने का सख्त विरोध करता है। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ताइवान को केवल चीन की राजनीतिक जिद और दबाव के कारण वैश्विक एविएशन ढांचे से बाहर रखा जाएगा? क्या यह अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उचित है? क्या यह वैश्विक सहयोग और साझेदारी की उस भावना के खिलाफ नहीं है, जिसके आधार पर आईसीएओ की नींव रखी गई थी?

आईसीएओ की भूमिका और महत्व

आईसीएओ की स्थापना 1944 में 'शिकागो कन्वेंशन' के तहत हुई थी। इसका मुख्यालय कनाडा के मॉन्ट्रियल में है। यह संगठन हर तीन साल में अपनी आम सभा (Assembly) आयोजित करता है, जिसमें दुनिया भर के सदस्य देश विमानन से जुड़े नियमों और नीतियों पर सहमति बनाते हैं। वर्तमान में इसका 42वां सत्र चल रहा है। आईसीएओ की दीर्घकालिक रणनीति का नारा है – "सुरक्षित आकाश, सतत भविष्य"। इस रणनीति का उद्देश्य है:

सुरक्षित उड़ानों की गारंटी: जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण कम करने की योजना देशों के बीच सहयोग और स्थिरता

समावेशी एविएशन प्रणाली का निर्माण: स्पष्ट है कि इस रणनीति की मूल आत्मा समावेशन (Inclusiveness) है, लेकिन ताइवान को बाहर रखना इस भावना के साथ सीधा विरोधाभास है।

ताइवान की स्थिति और योगदान

ताइवान पूर्वी एशिया का एक अहम केंद्र है। इसका ताइपे

उड़ान सूचना क्षेत्र (Taipei FIR) पूरी दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक हवाई गलियारों में से एक को कवर करता है। आंकड़े बताते हैं कि हर साल लाखों अंतरराष्ट्रीय उड़ानें इस क्षेत्र से गुजरती हैं। यह क्षेत्र आईसीएओ के 300 से अधिक एफआईआर नेटवर्क का अनिवार्य हिस्सा है। ताइवान का सिविल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (CAA) इस पूरे क्षेत्र का प्रबंधन करता है। यह प्रशासन: हर उड़ान को सटीक सूचना सेवा प्रदान करता है। हवाई मार्गों का सुरक्षित प्रबंधन करता है। इमरजेंसी और आपात स्थिति में समन्वय करता है। आधुनिक रडार और तकनीकी प्रणाली से वैश्विक सुरक्षा में योगदान देता है। स्पष्ट है कि बिना ताइवान की सक्रिय भागीदारी के अंतरराष्ट्रीय एविएशन सुरक्षा अधूरी रहेगी।

चीन की दादागिरी और राजनीतिक दबाव

चीन हमेशा से दावा करता है कि ताइवान उसका हिस्सा है और वह उसे स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देता। इसी कारण वह अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ताइवान की सदस्यता का विरोध करता है। आईसीएओ में भी यही स्थिति है। चीन अपने प्रभाव और वीटो पावर का इस्तेमाल करके ताइवान को बाहर रखता है। कई देशों ने ताइवान की भागीदारी के लिए आवाज उठाई, लेकिन चीन के विरोध के कारण बात आगे नहीं बढ़ पाई। चीन का तर्क है कि ताइवान को अलग से स्थान देने का अर्थ उसकी संप्रभुता को मान्यता देना होगा। लेकिन असलियत यह है कि आईसीएओ का काम राजनीतिक मुद्दों को नहीं, बल्कि विमानन सुरक्षा और सहयोग को देखना है। ऐसे में केवल राजनीतिक दबाव के कारण किसी महत्त्वपूर्ण हिस्से को बाहर रखना न केवल अनुचित है बल्कि खतरनाक भी है।

भारत-चीन उड़ान समझौते से नई चुनौती

हाल ही में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा हुई है। इससे पूर्वी एशियाई क्षेत्र में हवाई यातायात और बढ़ेगा। जैसे-जैसे यह क्षेत्र और व्यस्त होगा, वैसे-वैसे ताइपे FIR की अहमियत और भी बढ़ जाएगी। जब हजारों विमान इस क्षेत्र से रोज गुजरेंगे तो उनकी सुरक्षा और समन्वय के लिए ताइवान का सहयोग अनिवार्य होगा। यदि आईसीएओ ताइवान को अपने तंत्र में शामिल नहीं करता तो इसका सीधा असर इन उड़ानों की सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा पर पड़ेगा।

ताइवान को शामिल न करने के खतरे

सुरक्षा जोखिम – ताइपे FIR से गुजरने वाली उड़ानों की सीधी जानकारी अगर साझा न की जाए तो दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। आपातकालीन सहयोग की कमी – किसी हादसे या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में ताइवान को औपचारिक मंच से बाहर रखने का अर्थ है वैश्विक समन्वय में बाधा। तकनीकी असमानता – ताइवान के पास उन्नत तकनीक और अनुभव है, लेकिन इसे साझा करने का अवसर न देना अन्य देशों के लिए नुकसानदायक है। अंतरराष्ट्रीय असमानता – किसी एक देश के दबाव में ताइवान को बाहर रखना वैश्विक लोकतांत्रिक भावना पर चोट करता है।

ताइवान की ओर से विश्व समुदाय से आग्रह

ताइवान लगातार यह आग्रह करता रहा है कि आईसीएओ उसे अपनी बैठकों और क्षेत्रीय विमानन सुरक्षा तंत्र में शामिल करे। उसका तर्क है कि: वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करता है। उसका एविएशन सेक्टर आधुनिक और सुरक्षित है। उसकी भौगोलिक स्थिति उसे अनिवार्य बनाती है। ताइवान का कहना है कि उसे बाहर रखने से केवल चीन को राजनीतिक लाभ मिलता है, जबकि विमानन क्षेत्र को इसका कोई फायदा नहीं।

वैश्विक प्रतिक्रिया और समर्थन

कई लोकतांत्रिक देशों ने ताइवान के पक्ष में आवाज उठाई है। अमेरिका, जापान, कनाडा और यूरोपीय देशों ने बार-बार कहा है कि आईसीएओ जैसे मंच पर सुरक्षा और सहयोग प्राथमिकता होनी चाहिए, राजनीति नहीं। भारत ने भी कई बार यह संकेत दिया है कि वह ताइवान के साथ तकनीकी और आर्थिक सहयोग बढ़ाना चाहता है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत भी ताइवान की उचित भागीदारी के लिए स्पष्ट रुख अपनाए।

चीन की नीति के खिलाफ तर्क

आईसीएओ का उद्देश्य राजनीति नहीं, सुरक्षा है। समावेशन से ही वैश्विक सहयोग संभव है। ताइवान की भौगोलिक और तकनीकी स्थिति उसे अनिवार्य बनाती है। बाहर रखने से केवल असुरक्षा और अव्यवस्था बढ़ेगी। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा संकट और तकनीकी असमानता जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा है। ऐसे समय में किसी देश या क्षेत्र को केवल राजनीतिक दबाव में बाहर रखना न तो न्यायसंगत है और न ही सुरक्षित। ताइवान को आईसीएओ और अन्य वैश्विक एविएशन मंचों में शामिल करना सिर्फ ताइवान का हक नहीं बल्कि वैश्विक सुरक्षा की आवश्यकता है।

बदरुद्दीन तैयबजी: कांग्रेस के तीसरे अध्यक्ष और हिंदू-मुस्लिम एकता के पैरोकार

-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेतृत्व

भारत का आज़ादी का आंदोलन केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक था। इस आंदोलन ने हमें ऐसे नेताओं से परिचित कराया, जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता की मशाल जलाए रखी, बल्कि समाज में बिखरे हुए वर्गों को जोड़ने का भी काम किया। इन्हीं महान नेताओं में से एक थे बदरुद्दीन तैयबजी (Badruddin Tyabji) – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तीसरे प्रेसीडेंट और हिंदू-मुस्लिम एकता के बड़े पैरोकार।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

बदरुद्दीन तैयबजी का जन्म 10 अक्टूबर 1844 को बॉम्बे (अब मुंबई) में एक समृद्ध और प्रतिष्ठित मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका परिवार यमन से भारत आया था और समाज में उनकी एक अलग पहचान थी। तैयबजी बचपन से ही प्रतिभाशाली और जिज्ञासु थे। उस दौर में शिक्षा को लेकर मुस्लिम समाज में एक हिचक थी, लेकिन उनके पिता का विचार प्रगतिशील था। उन्होंने बदरुद्दीन को आधुनिक शिक्षा दिलाने का फैसला किया। प्रारंभिक पढ़ाई बॉम्बे में हुई। बाद में वे इंग्लैंड गए और वहां प्रतिष्ठित लंदन यूनिवर्सिटी और मिडल टेंपल (Middle Temple) से वकालत की पढ़ाई पूरी की। वे पहले भारतीय मुस्लिम बने जिन्होंने इंग्लैंड से बैरिस्टर की डिग्री हासिल की। यह उपलब्धि केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय समाज के लिए गौरव का विषय थी।

वकालत और पेशेवर जीवन

भारत लौटने के बाद बदरुद्दीन तैयबजी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। उनकी बुद्धिमत्ता, गहरी समझ और कानूनी तर्कशक्ति ने उन्हें जल्दी ही एक प्रमुख वकील बना दिया। वे बॉम्बे हाईकोर्ट के पहले भारतीय मुस्लिम जज बने। उन्होंने कानून के क्षेत्र में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी वकालत ने भारतीय समाज में आधुनिक शिक्षा और कानूनी पेशे की महत्ता को स्थापित किया। तैयबजी केवल वकील ही नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक सुधारक भी थे। वे मानते थे कि शिक्षा,

विशेषकर आधुनिक शिक्षा, ही समाज की तरक्की की कुंजी है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेतृत्व

1885 में जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई, तब यह संगठन भारतीय जनता की राजनीतिक आकांक्षाओं का मंच बना। इसमें विभिन्न धर्मों और समाजों के लोग शामिल हुए। तैयबजी ने कांग्रेस के शुरुआती सत्रों में सक्रिय भाग लिया।

1887 में मद्रास (अब चेन्नई) में आयोजित कांग्रेस के तीसरे अधिवेशन में वे प्रेसीडेंट चुने गए। यह पहली बार था जब कोई मुस्लिम नेता कांग्रेस की अध्यक्षता कर रहा था। उनकी अध्यक्षता ने यह संदेश दिया कि कांग्रेस किसी एक धर्म या समुदाय की संस्था नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीयों का साझा मंच है।

हिंदू-मुस्लिम एकता के पैरोकार

बदरुद्दीन तैयबजी ने हमेशा कहा कि अगर भारत को स्वतंत्र होना है तो हिंदू और मुस्लिम दोनों को साथ आना होगा। उन्होंने अपनी अध्यक्षीय स्पीच में स्पष्ट कहा: "अगर हिंदू और मुस्लिम एकजुट नहीं होंगे, तो भारत में स्वतंत्रता की कल्पना भी नहीं की जा सकती।" उनकी सोच दूरदर्शी थी। उस समय कई लोग कांग्रेस को केवल उच्च वर्गीय हिंदुओं का संगठन मानते थे, लेकिन तैयबजी ने इस भ्रांति को तोड़ा। उन्होंने मुसलमानों को कांग्रेस से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और हिंदुओं को भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सबकी है।

सामाजिक सुधार और शिक्षा के प्रति योगदान

तैयबजी ने शिक्षा के महत्व को बहुत गहराई से समझा था। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा का भी समर्थन किया। उस दौर में यह कदम क्रांतिकारी था क्योंकि मुस्लिम समाज में लड़कियों की शिक्षा को लेकर झिझक थी। उन्होंने अंजुमन-ए-इस्लाम नामक संस्था से जुड़कर शिक्षा को बढ़ावा दिया। मुस्लिम समाज में आधुनिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने में वे अहम स्तंभ बने। उन्होंने कहा कि बिना शिक्षा मुसलमान कभी तरक्की नहीं कर सकते।

एक प्रगतिशील और उदार नेता

बदरुद्दीन तैयबजी एक उदार और प्रगतिशील नेता थे। वे धार्मिक पहचान से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता पर ज़ोर देते थे।

उनकी सोच आधुनिक और वैज्ञानिक थी।

उन्होंने कहा था: "कांग्रेस केवल हिंदुओं की नहीं, न ही केवल मुसलमानों की है। यह भारत के हर नागरिक की आवाज़ है।" उनकी यह सोच आगे चलकर महात्मा गांधी और मौलाना आज़ाद जैसे नेताओं के विचारों में भी झलकती है।

व्यक्तिगत जीवन और व्यक्तित्व

तैयबजी का व्यक्तित्व बहुत संतुलित और प्रभावशाली था। वे सादगी पसंद थे और अनुशासनप्रिय भी। उन्होंने मुस्लिम समाज में पर्दा प्रथा और तालीम की कमी जैसी सामाजिक बुराइयों पर खुलकर बात की। उनका परिवार भी शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहा। उनके भाई भी सुधारवादी विचारधारा से जुड़े थे।

आलोचनाएं और चुनौतियां

हर बड़े नेता की तरह तैयबजी को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कुछ मुस्लिम नेताओं ने उन्हें आलोचना का निशाना बनाया क्योंकि वे कांग्रेस से जुड़े थे। कुछ हिंदू नेताओं ने भी उन्हें "अत्यधिक उदार" कहकर उनकी आलोचना की। लेकिन तैयबजी इन आलोचनाओं से डरे नहीं। वे अपने रास्ते पर अडिग रहे।

निधन और विरासत

बदरुद्दीन तैयबजी का निधन 19 अगस्त 1906 को हुआ। वे ज्यादा लंबा जीवन नहीं जी सके, लेकिन उनकी विरासत आज भी ज़िंदा है। वे कांग्रेस के इतिहास में पहले मुस्लिम अध्यक्ष के रूप में अमर हैं। उन्होंने भारत की राजनीति में हिंदू-मुस्लिम एकता की नींव रखी। शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

बदरुद्दीन तैयबजी की विरासत का महत्व

आज के दौर में जब सांप्रदायिकता और विभाजन की राजनीति बढ़ रही है, तब बदरुद्दीन तैयबजी की सोच और भी प्रासंगिक हो जाती है। राष्ट्रीय एकता का प्रतीक – वे मानते थे कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब हर समुदाय मिलकर काम करेगा। शिक्षा का महत्व – उन्होंने कहा कि शिक्षा ही मुसलमानों और पूरे समाज की तरक्की की राह खोल सकती है। कांग्रेस की समावेशिता – उनकी अध्यक्षता ने दिखाया कि कांग्रेस वास्तव में सर्वधर्म और सर्वसमाज की संस्था है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तीसरे अध्यक्ष और हिंदू-मुस्लिम एकता के बड़े पैरोकार थे। इंग्लैंड से बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त करने वाले वे पहले मुस्लिम जज भी बने। उन्होंने कांग्रेस में मुस्लिम समाज को जोड़कर राष्ट्रीय आंदोलन को सर्वसमावेशी बनाने में अहम भूमिका निभाई।

खुद चिकित्सक न बने, बीमारी के लक्षण दिखते ही चिकित्सक से परामर्श लें

-बिना परामर्श दवाओं के उपयोग या दुष्प्रभाव की घटनाओं पर जिम्मेदारी होगी तय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के लिए प्रदेशभर में आशा, एएनएम एवं सीएचओ द्वारा शनिवार से घर-घर सर्वे किया जाएगा। सर्वे के दौरान आमजन को बीमार होने पर तत्काल चिकित्सा संस्थान पहुंचकर परामर्श लेने, चिकित्सकीय सलाह से ही दवा का सेवन करने, बच्चों की पहुंच से दवा को दूर रखने एवं दवा के दुष्प्रभाव सामने आने पर आवश्यक उपाय बरतने के संबंध में जागरूक किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। बैठक में समस्त संयुक्त निदेशक जोन, सभी प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीसीएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का प्रभावी तरीके से संचालन किया जा रहा है लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि योजना में उपलब्ध करवाई जाने वाली दवाएं रोगियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार लिखी जाएं एवं आमजन दवाओं का उपयोग चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ही करें। विगत दिनों कुछ स्थानों पर बिना परामर्श खांसी की दवा के सेवन के कारण बच्चों में दुष्प्रभाव के मामले सामने आए हैं। यह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं

से बचने के लिए जरूरी है कि चिकित्सकों, फार्मासिस्ट एवं आमजन को दवाएं लिखने एवं उनके उपयोग के बारे में आवश्यक जानकारी हो। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि भविष्य में ऐसी घटनाएं सामने आने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि बारिश का दौर थमने के साथ ही मौसमी बीमारियों का प्रसार होने की आशंका बनी रहती है। इस मौसम में खांसी, जुकाम, बुखार आदि के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि दवाएं लिखते समय चिकित्सक यह ध्यान रखें कि बच्चों एवं व्यस्कों को कौनसी दवाएं लिखी जानी चाहिए, इसके प्रोटोकॉल का पूरा पालन हो। कोई भी दवा देते समय परिजनों को उसकी खुराक के संबंध मे पूरी जानकारी दें। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि फार्मासिस्ट चिकित्सक की पर्ची के बिना दवाओं का वितरण न करें और दी जाने वाली दवाओं के उपयोग के संबंध में रोगी व परिजन को आवश्यक जानकारी दें। एएनएम, आशा एवं सीएचओ सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार के लक्षण वाले व्यक्तियों को चिकित्सक से परामर्श के लिए प्रेरित करें। दवाओं के उपयोग से कोई भी दुष्प्रभाव की जानकारी मिलने पर तुरंत सेक्टर प्रभारी को सूचित करें। साथ ही, अभिभावकों को दवाओं के सावधानीपूर्वक उपयोग के बारे में जागरूक करें। आमजन को इस संबंध में भी जागरूक करें कि वे दवा का सेवन पंजीकृत चिकित्सक की सलाह तथा निर्धारित खुराक के अनुसार ही करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने कहा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों को डेक्सट्रोमोरफन युक्त दवा नहीं दी जाए। आमजन को समझाया जाए कि वे घर में रखी दवाओं का बिना चिकित्सकीय परामर्श के सेवन नहीं करें। दवा के सेवन के बाद किसी भी तरह का दुष्प्रभाव यथा सांस लेने में कठिनाई, सुस्ती, बेहोशी, उल्टी, दौरे जैसे लक्षण नजर आएं तो नजदीकी अस्पताल या हेल्पलाइन नंबर 104/108 या राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 0141-2225624 पर सम्पर्क किया जा सकता है। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि चिकित्सक यह सुनिश्चित करें कि ओपीडी एवं आईपीडी में रोगी को दवा स्पष्ट रूप से लिखें और दवा की कितनी खुराक कब लेनी है, यह जानकारी पर्ची पर अंकित करने के साथ ही रोगी को भी इस संबंध में समझाएं। रोगी एवं उनके परिजनों को दवा की मात्रा एवं दुष्प्रभावों को बारे में पूरी जानकारी दी जाए।

प्रवासी राजस्थानियों का सामाजिक व सांस्कृतिक जुड़ाव बनेगा मजबूत - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक विकास को मजबूत बनाने एवं गति प्रदान करने के लिए प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन करने जा रही है। इसी कड़ी में आयोजित होने वाली प्रवासी राजस्थानी मीट से देश एवं विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों का प्रदेश के विकास में योगदान तथा सांस्कृतिक व सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा गुजरात के सूरत में आगामी 8 अक्टूबर को प्रस्तावित 'प्रवासी राजस्थानी मीट' के आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को प्रवासी राजस्थानी मीट के आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों एवं निवेशकों के साथ सेक्टर मीटिंग के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

प्रवासी राजस्थानियों को मिले प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रवासी राजस्थानी मीट से प्रदेश में होटल, खनन, फार्मा जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठकों से संबंधित पूर्व तैयारियां समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों की प्रवासी राजस्थानियों को जानकारी दी जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव, पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ तथा पर्यटन विभाग एवं कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में पर्यटन विभाग एवं कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं की पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक में पर्यटन ऐप, पर्यटन केंद्र, बावरी रेस्टोरेशन, वार म्यूजियम, गोविन्द देव जी मंदिर विकास, शेखावाटी हवेलियों, रोप-वे,हो हो (होप ऑन होप ऑफ),स्काई डाइविंग,खाटू श्याम जी, जयपुर में कॉन्सेर्ट एरिया, मलासेरी, ट्राईबल सर्किट, आमेर विकास, जे के के, शिल्पग्राम जैसे विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार एडवेंचर पॉलिसी एवं फिल्म पॉलिसी पर भी चर्चा कर उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए। दिया कुमारी ने पर्यटन और कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ समय बद्धता से लक्ष्यों को प्राप्त करने के भी निर्देश दिए।

जयपुर शहर में 'सांसद खेल महोत्सव' का आगाज 15 अक्टूबर से

-खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना- सांसद मंजू शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद खेल महोत्सव की जानकारी दी। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव देशभर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है। खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं को पारंपरिक और आधुनिक खेलों में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को निखरने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का मंच मिलेगा। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले खेल महोत्सव में पारंपरिक खेलों में कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, रस्साकसी, रूमाल झपट्टा, सितोलिया, मटका दौड़, नीबू दौड़, मलखम्भ तथा आधुनिक खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, वुशु, हॉकी, बैडमिंटन, आर्चरी, शतरंज, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों को शामिल किया गया है। इसमें महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के साथ दिव्यागों की भी टीमों का गठन किया जाएगा। सांसद और विधायक दिव्यांगों से अलग से संवाद कर उनका हौसला अफजाई करेंगे। प्रतियोगिताएं तीन स्तर पर होगी। इसमें मंडल, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर खेलों का आयोजन किया जाएगा। इसमें टीमों का गठन करने के बाद खेल दिनांक के आधार पर गेम्स कलैंडर घोषित कर दिया जाएगा। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''फिट इंडिया हिट इंडिया" को सार्थक करने के लिए 'खेलो इंडिया' की थीम पर सांसद खेल

महोत्सव शुरू किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी की मंशा है कि देशवासियों को खेलों से जोड़कर उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने और जमीनी स्तर पर जाकर भविष्य की खेल प्रतिभाओं को तलाशा और तराशा जाएं, क्योंकि खेल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ साथ नेतृत्व, टीम भावना और अनुशासन की भावना को भी विकसित करता है। सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम, केएल सैनी स्टेडियम, चौगान स्टेडियम और एसएमएस स्टेडियम में खेलों का आयोजन करवाया जाएगा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति, नकद पुरस्कार और खेल सामग्री प्रदान की जाएगी। चयनित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी का अवसर भी मिलेगा। खिलाड़ी आनलाइन के साथ आफ लाइन आवेदन भी कर सकते है। आवेदक Sansad-khelmahotsav.in पर जाकर अपना आवेदन भर सकते है। सांसद मंजू शर्मा ने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने क्षेत्र के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें। यह आयोजन न केवल खेलों को बढ़ावा देगा, बल्कि राष्ट्र के स्वस्थ और सक्रिय भविष्य की नींव भी रखेगा।

"शहरी सेवा शिविर 2025" के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक "शहरी सेवा शिविर 2025" (मुख्य शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को जगतपुरा जोन के वार्ड संख्या 114, 119, 120, 121, 122, 123, 124 एवं ग्राम पंचायत गोनेर, सिरोली, दांतली व विधानी का सम्पूर्ण राजस्व ग्राम क्षेत्र का शिविर गोनेर रोड स्थित पुराने ग्राम पंचायत सिरोली भवन, निलयकुंज के पास, ग्राम सिरोली का भवन में आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। 04 अक्टूबर 2025, शनिवार को झोटवाड़ा जोन के वार्ड संख्या 52, 54, 55 व 57 से 64 का शिविर चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने बताया कि "शहरी सेवा शिविर-2025" (मुख्य शिविर) के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 09:30 बजे से 06:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहत :-

वार्ड नं. 119 जगतपुरा निवासी डॉ. विनोद प्रजापति ने बताया कि शहरी सेवा शिविर कैंप के अंतर्गत उन्होंने अपनी कॉलोनी के लिए नई स्ट्रीट लाइट लगाने का अवदेन किया उनके आवेदन को तुरंत स्वीकार करके अति शीघ्र ही नई स्ट्रीट लाइट लगाई गई डॉ. विनोद ने बताया कि इससे उन्हें अंधेरे से मुक्ति मिली और उनकी पूरी कॉलोनी में रोशनी छा गई अपने इस कार्य के तुरंत ही पूर्ण होने पर उन्होंने बहुत प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री का धन्यवाद और सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा निवासी प्रेम दत्त ओझा ने बताया कि शहरी सेवा शिविर कैंप के अंतर्गत उन्होंने अपने विवाह प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया जरूरी दस्तावेज लगाने के कुछ ही समय पश्चात बिना किसी परेशानी के उन्हें उनका विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया अपने इस कार्य त्वरित गति से पूर्ण हो जाने पर उनके चेहरे पर खुशी की लहर छा गई अपनी इस कार्य के बिना किसी परेशानी के इतनी जल्दी हो जाने पर उन्होंने सरकार का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया

जगतपुरा जोन के शिविर में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के 102 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें से 102 आवेदनों के ही प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। जनआधार के 17 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। स्ट्रीट लाईट के 8 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। घर-घर कचरा संग्रहण के 23 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। खाद्य सुरक्षा के 33 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शनिवार 04 अक्टूबर 2025 को यहाँ आयोजित होगा शिविर :

शनिवार को झोटवाड़ा जोन के वार्ड संख्या 52, 54, 55 व 57 से 64 का शिविर चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा।

नाई की थड़ी में उलेमाओं की अहम बैठक

- समाज सुधार और कौमी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के नाई की थड़ी इलाके में स्थित जवाहर एकेडमी में गुरुवार को उलेमाओं और मस्जिदों के इमामों की एक अहम बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में समाज सुधार, नशा मुक्ति, वोटर लिस्ट जागरूकता और कौमी एकता जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में सभी अईम्माओ (इमामों) ने यह संकल्प लिया कि मस्जिदों के मिम्बर से समाज के उन नौजवानों के खिलाफ सख्ती से बयान दिया जाएगा जो नशे जैसी बुराइयों में लिप्त हैं। इमामों ने कहा कि समाज में फैल रही इस बीमारी को किसी भी हाल में समाप्त किया जाएगा।

वोटर लिस्ट पर जागरूकता

उलेमाओं ने यह भी तय किया कि लोग वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किए जाएंगे। इसके साथ ही SIR प्रक्रिया में आवश्यक दस्तावेजों को समय पर तैयार रखने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इमामों की यह टीम पिछले एक साल से लगातार इस मुद्दे पर काम कर रही है और इसका अच्छा असर भी सामने आ

रहा है।

हिन्द-मुस्लिम एकता पर जोर

बैठक में यह भी कहा गया कि इलाके में हिन्द भाइयों के साथ आपसी भाईचारे और अच्छा माहौल बनाकर चलना चाहिए। अगर किसी प्रकार का मतभेद हो भी जाए तो उसे बैठकर सुलझाया जाए।

सभी उलेमाओं ने एक सुर में कहा कि हिन्द और मुसलमान दोनों को फिरका परस्त ताक़तों से सावधान रहना चाहिए।

प्रोग्राम की झलकियाँ

कार्यक्रम की शुरुआत क़ुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई। उसके बाद कई नातख्वानों ने अपने-अपने कलाम पेश किए। आखिर में सामूहिक दुआ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चौदह बीघा भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में ग्राम बस्सी में निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का पूर्णतः ध्वस्तीकरण कर इसी से लगती हुई गैर मुमकिन नदी-नाले की करीब 04 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 06 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम भावसार, ईष्वरवाला, बस्सी, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें तथा कृषि भूमि से लगती हुई खसरा नं. 24 गैर मुमकिन नदी-नाले की करीब 04 बीघा सरकारी भूमि को सम्मिलित करते हुये कॉलोनाईजर द्वारा अतिक्रमण कर भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नदी-नाले की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सिमलिया से वाटिका रोड, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें तथा भूमि को समतल कर "ष्याम साई रेजीडेन्सी" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया

गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, 14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 817 बीघा सरकारी भूमि व वर्ष 2025 में 529 बीघा आज तक कुल 1346 बीघा सरकरी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा चुका है व वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 296 आज तक कुल 679 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पर ध्यान दे राज्य सरकार

-सुशासन का ढोल पीटना बंद करे - आम आदमी पार्टी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एनसीआरबी 2023 की ताज़ा रिपोर्ट ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों और महिलाओं पर अत्याचार की भयावह स्थिति को उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान देशभर में महिला अपराधों और बलात्कार के मामलों में सबसे ऊपर है। इस पर आम आदमी पार्टी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार और वर्तमान भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार दोनों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस हो या भाजपा - दोनों ही सरकारों ने राजस्थान को महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार का केंद्र बना दिया। पार्टी ने कहा कि मात्र दो साल में भाजपा सरकार भी कांग्रेस की राह पर चल पड़ी है। एक ओर तो सरकार सुशासन का ढोल पीट रही है, वहीं दूसरी ओर धरातल पर महिलाएं और बच्चियां असुरक्षित हैं और अपराधी खुलेआम बेखौफ घूम रहे हैं। प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कहा कि "सुशासन का ढोल पीटने वाली सरकार को यह आंकड़े आईना दिखा रहे हैं। राजस्थान में हर दिन महिलाओं

और बच्चियों पर अत्याचार हो रहा है। अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है, इसलिए अपराधी बेखौफ हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल जनता को सुरक्षा देने में विफल साबित हुए हैं।" सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने आरोप लगाया कि "एनसीआरबी की रिपोर्ट साफ कहती है कि राजस्थान में बलात्कार, भ्रष्टाचार और हत्या के मामलों में भयावह स्थिति है। सरकार अपराध रोकने की बजाय आंकड़े दबाने और प्रचार पर करोड़ों खर्च करने में लगी है। जनता अब इस कुशासन से तंग आ चुकी है।"

एनसीआरबी रिपोर्ट के प्रमुख आंकड़े :

देशभर में अपराधों में 7.2% की वृद्धि, कुल मामले : 62,41,569

राजस्थान में कुल अपराध : 4,61,569 (देश में 5वाँ स्थान)

बलात्कार मामलों में राजस्थान देश में पहले स्थान पर

जयपुर में हत्या के 131 मामले दर्ज

महिला अपराधों में सबसे ज्यादा मामले राजस्थान से

आम आदमी पार्टी ने मांग की कि राज्य सरकार सुशासन की झूठी तस्वीर पेश करने की बजाय महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाए, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जाए और जनता की समस्याओं पर गंभीरता से काम किया जाए। पार्टी ने कहा कि भाजपा सरकार को जनता की पीठ पर खंजर मारना बंद कर धरातल पर काम करना चाहिए।

महाराव शेखाजी जयंती पर मुस्लिम समाज की अद्वितीय भागीदारी

- सांसद राव राजेंद्र सिंह का साफा पहनाकर किया ऐतिहासिक सम्मान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के शेखागढ़ में गुरुवार को आयोजित महाराव शेखाजी की 592वीं जयंती समारोह में मुस्लिम समाज ने अग्रणी भूमिका निभाकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। समाज के बुजुर्गों, नवयुवकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर समारोह की गरिमा बढ़ाई और सांसद राव राजेंद्र सिंह को साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके मुस्लिम समुदाय मनोहरपुर ने महाराव शेखाजी की स्मृति में सहयोग राशि दी। और कहा कि "लोकप्रिय सांसद राव राजेंद्र सिंह ने हमेशा मुस्लिम समाज की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। चाहे शिक्षा की बात हो, रोज़गार की या विकास की—उन्होंने बिना भेदभाव हर वर्ग के लिए काम किया है।" जमील खान चौहान ने आगे कहा कि महाराव शिखाजी ने मुस्लिम समुदाय को उच्च स्तर पर स्थान दिया है। ओर कहा कि सांसद का सहयोग और मार्गदर्शन

मुस्लिम समुदाय के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है। यही कारण है कि आज पूरा मुस्लिम समाज उनके नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त करता है। इस दौरान मुस्लिम समाज के हाजी बूंदू खान ने भी संबोधित करते हुए कहा कि महाराव शेखाजी ने जिस सौहार्द, भाईचारे और बलिदान का संदेश दिया, उसे मुस्लिम समाज दिल से मानता है। आज भी यही भाईचारा हमें एकजुट करता है। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन के रहे व्यक्ति ने कहा कि मुस्लिम समाज ने हमेशा क्षेत्रीय विकास, भाईचारे और शांति के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई है। इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ता हाजी बूंदू पडियार, सरफराज खान चौहान, सरफराज खान, सद्दाम खान, जहिर खान सहित कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षकों की लंबित समस्याओं को लेकर एक दिवसीय विशाल धरना 13 अक्टूबर को

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रदेश स्तरीय निर्णय के अनुसार शिक्षकों की लंबीत। समस्याओं को लेकर प्रांतीय अध्यक्ष बना राम चौधरी के नेतृत्व में एक दिवसीय विशाल धरना एवं प्रदर्शन शिक्षा निदेशक महोदय बीकानेर के सम्मुख दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को दिया जाएगा। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद सहाय जाट ने बताया कि राज्य में शिक्षकों की समस्याएं लंबे समय से लंबी चल रही है जिनके निराकरण के लिए आंदोलन के चरण में एक दिवसीय विशाल धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा मुख्य रूप से तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण स्थानांतरण नीति बनाकर अभिलंब किया जावे आठवें वेतनमान को लागू करवाने पुरानी पेंशन योजना को यथावत रखा जावे शिक्षकों की डीपीसी समय पर की जावे 9, 18, 27 वर्षीय चयनित वेतनमान के स्थान पर 8 16 24 32 वर्षीय चयनित वेतनमान दिए जावे सहित कई मांगों को लेकर धरना दिया जाएगा जिसमें जयपुर जिला देहात के भी कई शिक्षक जिला अध्यक्ष रामचंद्र जाट के नेतृत्व में भाग लेंगे ।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन को लेकर जन संपर्क

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जांगिड ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति त्रिवेणी धाम के सानिध्य में 5 अक्टूबर 2025 रविवार को युवक-युवती परिचय सम्मेलन व 1 नवम्बर 2025 (देव उठनी एकादशी) को 21 जोडा का सामूहिक विवाह व सामाजिक सम्मेलन आयोजित होगा। समिति अध्यक्ष मदन लाल हरसोलिया व मुख्य संरक्षक मामराज चिचाबा ने बताया कि परिचय सम्मेलन को लेकर, घासीपुरा, खोजावाला, खोरा, बिशनगढ़ मनोहरपुर सहित आस पास के ग्रामों में सम्पर्क किया। परिचय सम्मेलन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। अभी तक 18 जोडों का पंजीयन हो चुका है। जोडा पंजीयन कार्य 6 अक्टूबर को बन्द कर दिया जायेगा। युवक-युवती परिचय सम्मेलन में भामाशाओं व वृद्ध जन का सम्मान किया जावेगा। व जोड़ों के माता पिता का भी सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर लखन लाल जांगिड नायन कार्यकारी अध्यक्ष, साधुराम बिदारा महामंत्री, राधेश्याम-रतनपुरा, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार चिचावा, बृजमोहन जाला, मोहन लाल जांगिड़ खोरा, बाबूलाल- खोजावाला, सुरेश पवार चिमनपुरा आदि ने संपर्क किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

सीपीआर एक नया जीवनदान- डॉ. तातेड़

-'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के अन्तर्गत सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला सहित विभिन्न विषयक सेमीनार का हुआ आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सीपीआर यानी सही समय पर दिया गया सीने पर दबाव और कृत्रिम सांस, कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में जीवनदान साबित हो सकता है। कई बार एम्बूलेंस पहुंचने से पहले ही कुछ सैकंड का सही प्रयास किसी की जिंदगी को दोबारा शुरू कर सकता है। ये कहना है सीपीआर (कार्डियो पुल्मोनरी रिस्ससिटेशन) नेशनल ट्रेनर डॉ. राजेन्द्र तातेड़ का। वे मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सम्पन्न हो रहे 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के अन्तर्गत आयोजित हुई एक दिवसीय सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। सीपीआर क्या है, क्यो देते है, कब देते है और किस-किस परिस्थिति में देना चाहिए। सीपीआर दो प्रकार के होते है मुंह से मुंह सांस लेना और स्टेबल करना। उन्होंने कहा कि हार्ट अटैक, हार्ट फैल, साइलेन्ट अटैक व कार्डियक अरेस्ट पीडित व्यक्ति के मस्तिष्क के अन्दर 5 मिनट तक खून और ऑक्सीजन रहता है। इसके रहते-रहते यदि मरीज को सीपीआर दे दिया जाता है तो 5 से 10 मिनट के अन्दर उसकी सांसे वापिस आ जाती है। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काजमी ने जानकारी दी कि 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के प्रारम्भ में पब्लिक हैल्थ विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सदाकत बशीर ने 'महिलाओं के जीवन में पोषण का महत्व' विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण के बारे में जागरूकता फैलाना और परिवार व समाज को मज़बूत बनाने में एक स्वस्थ महिला की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था। साथ ही सोमवार 29 सितम्बर को 60 से अधिक देशों में कार्यरत 'न्यूट्रिशन इंटरनेशनल राजस्थान' नामक राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुए 'थायरॉइड स्वास्थ्य के लिए आयोडीन युक्त नमक के सेवन का महत्व' विषयक वेबीनार में संस्थान के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक 'तौसिफ उर रहमान' ने आयोडिन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों (आईडीडी) को दूर करने में हमारा संस्थान राजस्थान स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करता है। कार्यक्रम प्रभारी एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेहाना बेगम ने बताया कि अंत में यूनिवर्सिटी चैयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने अतिथियों को पुष्प भेंट कर सम्मान किया। इस अभियान की सफलता में डॉ राजेन्द्र तातेड़ के सहयेगी लाल चंद चांडक, डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन एज्यूकेशन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समीना, डॉ. साबरा, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, डॉ. रितिका वैष्णव, डॉ. राजकुमार माथुर, जीशान अली, आसिफ, मुजफ्फर कुरैशी, निलोफर जेहरा, नाजमीन, फरहाना सिद्दीकी, आलिया सहित समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

हेमावास बांध जल वितरण समिति की बैठक आयोजित

-1675 एमसीएफटी सिंचाई के लिए वह पीने के लिए 525 एमसीएफटी पानी

पाली (रॉयल पत्रिका)। जल वितरण समिति हेमावास बांध से वर्ष 2025-26 संवत 2082 की रबी फसल की सिंचाई के लिये जल वितरण समिति की बैठक का आयोजन शुक्रवार को हेमावास रेस्ट हाउस में जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जल वितरण समिति हेमावास बांध एलएन मंत्री पाली की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला कलेक्टर मंत्री ने इस अवसर पर किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि जल का संरक्षण व इसके दुरपयोग न हो इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार प्रतिबद्ध है उन्होंने सिंचाई के लिए व पीने के लिए पानी की आवश्यकता के बारे में सभी का पक्ष सुना। बैठक में सभी की सहमति से ये निर्णय लिया गया कि सिंचाई के लिए कूल 2200 एमसीएफटी पानी में से 1675 एमसीएफटी सिंचाई के लिए वह पीने के लिए 525 एमसीएफटी पानी देना निर्धारित किया गया। इस अवसर पर पाली विधायक भीमराज भाटी, जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधू, प्रशिक्षु आईएएस बिरजू गोपाल, उपखंड अधिकारी विमलेंद्र राणावत, जल संसाधन विभाग के एसई रामनारायण चौधरी, अधिशाषी अभियन्ता एवं सदस्य सचिव हेमावास बांध,जल संसाधन खंड शंकर सिंह, पीएचईडी के कान सिंह, सुनील भंडारी, किसान प्रतिनिधियो में गिरधारी सिंह, चेनाराम,घीसू लाल, पन्नाराम, भंवरलाल व पुलिस प्रशासन के अधिकारी व अन्य किसान मौजूद रहे।

सामाजिक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत अपराधी सुधार दिवस कार्यक्रम आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जिला कारागृह पाली में आज शुक्रवार को अपराधी सुधार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कानाराम पारंगी द्वारा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। पारंगी ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन, शिक्षा, आत्मचिंतन और नशा-मुक्त जीवन अपनाने से ही व्यक्ति सही मायनों में समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकता है। उन्होंने बंदियों से आग्रह किया कि वे कारावास की अवधि को आत्मसुधार का अवसर मानते हुए अच्छे नागरिक बनने का संकल्प लें। इस अवसर पर जेलर जोरा राम, मुख्य प्रहरी गुलाब चंद कडेला, प्रहरी जयराम, सोहन राम, सुभाष, गणपत, महिला प्रहरी गेट कीपर पुनी देवी व प्रियंका चौधरी तथा सूचना सहायक अब्दुल हनान भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बंदियों को अल्पाहार व फल वितरण किया गया।

आयोजित सेवा शिविर का निरीक्षण कर मौके पर आमजन की समस्याओं का किया समधान

पाली (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के तहत आज, शुक्रवार को पाली जिले के भांवरी व मणिहारी ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर का कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत एवं संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह ने कैम्प का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शिविर में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने भांवरी व मणिहारी में ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया व आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने व उनके समाधान के लिए निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने भांवरी ग्राम पंचायत पर उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में 17 प्रकरणों को सुना जिसमें छह हिस्सेदारों के एक बटवारा प्रकरण का निस्तारण किया तथा एक नाम शुद्धिकरण कर मौके पर निस्तारण किया। उन्होंने भांवरी ग्रामीण सेवा शिविर में 10 पट्टे ग्रामीणों में वितरित किए गए। साथ ही मणिहारी कैम्प का निरीक्षण कर बट्वाडे के 6 प्रकरण, म्यूटेशन के 12, पट्टा वितरण 6 एवं मंगला पशु बीमा योजना में 38 व्यक्तियों को लाभान्वित किया। इस दौरान एसडीएम विलेन्द्र राणावत, सहायक विकास अधिकारी मनोज भाटी, प्रशासक भांवरी सुनिता त्रिवेदी सहित 17 विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

बेसिक नेओनेटल रीससीटेशन कार्यशाला का गीतांजली हॉस्पिटल में होगा आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतवर्ष में नवजात शिशु एवं बाल मृत्युदर एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। इसी संदर्भ में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स तथा नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम के तत्वाधान में बेसिक नेओनेटल रीससीटेशन (NRP) कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 4 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे गीतांजली मेडिकल कॉलेज के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित ऑडियो विज़ुअल हॉल में आयोजित होगा। इस कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सकों एवं मेडिकल छात्रों को जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशु के जीवनरक्षण हेतु आवश्यक तकनीक एवं प्रोटोकॉल से प्रशिक्षित करना रहेगा। कार्यशाला में कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. सुशील गुप्ता सहित विशेषज्ञ संकाय डॉ. अनुराधा सनिध्या, डॉ. अविनाश बोथरा, डॉ. राहुल खत्री और डॉ. अंकित कुमार पांचाल प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस अवसर पर उदयपुर सहित गीतांजली मेडिकल कॉलेज के लगभग 40 प्रतिभागियों के शामिल होंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं की जान बचाने की क्षमता को बढ़ाना एवं भारत में शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाना रहेगा।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रमसिंह भाटी ने आज शुक्रवार जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 124 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। निरीक्षण के दोरान सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। सचिव भाटी द्वारा बंदियों से वार्तालाप कर समस्याओं के बारे में पूछा तथा यह भी सुनिश्चित किया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। इस दौरान जोराराम कारापाल जिला कारागृह, रविन्द्र परिहार मेल नर्स, कारागृह डिस्पेन्सरी पाली आदि उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड ने बाल विवाह रोकथाम जागरूकता रैली निकाली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हिन्दस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स राजस्थान राज्य के वार्षिक कार्यक्रमानुसार जिला मुख्यालय-सवाई माधोपुर के तत्वावधान में बाल विवाह रोकथाम जन जागरूकता रैली निकाली गई। पीईईओ एवं प्रधानाचार्य सुनीता बसवाल ने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा के आदेशानुसार एवं हिन्दस्तान स्काउट गाइड के डिस्ट्रिक्ट ऑर्गेनाइजर (स्काउट) भरत लाल प्रजापत के निर्देशानुसार ग्राम ओलवाड़ा में स्थानीय विद्यालय राउमावि के रोवर्स रेंजर्स स्काउट्स गाइड्स छात्र-छात्राओं व विद्यालय स्टाफ ने जन चेतना रैली निकालकर बाल विवाह पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने व कम उम्र में बच्चियों की शादी से पड़ने वाले दुष्प्रभावों के लिए आमजन को जागरूक किया। रैली प्रभारी कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजीव मीना द्वारा सभी को बाल विवाह नहीं करने की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात स्काउट गाइड रोवर रेंजर छात्र-छात्राओं ने बचपन में शादी जीवन की बर्बादी, बाल विवाह पाप ना करो आप आदि जागरूकता के नारे लगाते हुए गांव में रैली निकाली। इस अवसर पर राजीव मीना (कार्यवाहक प्रधानाचार्य), बनवारी, अंकेश जैन, गजेंद्र, रामराज जी, पुष्पेंद्र, रामलाल, लक्ष्मी सिंघल आदि अध्यापक अध्यापिकाओं सहित विद्यालय के स्काउट गाइड रोवर रेंजर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया बस स्टैंड का उद्घाटन

-अनेक विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

मोहम्मद यासीन

सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को अपने प्रवास के दौरान अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मनिहारी के ग्राम गुड़ा प्रतापसिंह सहित आसपास के गांवों में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसके अलावा गुड़ा प्रतापसिंह स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधायक कोष से निर्मित कक्षा कक्ष तथा प्रार्थना स्थल पर टिन शेड का लोकार्पण किया। इसी के साथ गुड़ा प्रताप सिंह में विधायक मद से स्वीकृत राशि से ही सार्वजनिक टिन शेड निर्माण कार्य का लोकापर्ण किया गया । वही, पंचायत समिति की मद से स्वीकृत राशि से लच्छानाडा में निर्माण की गई सुरक्षा दीवार एवं घाट निर्माण कार्य का लोकार्पण मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने कर कमलों से किया। वहीं उन्होंने पादरला में महानरेगा के तहत बने आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन का लोकार्पण भी किया।

इसके अतिरिक्त मंत्री कुमावत की अनुशंसा से ग्राम मणिहारी में नव निर्मित बस स्टैंड का लोकार्पण कर ग्रामीणजनों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मंत्री जोराराम कुमावत ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हर विधानसभा क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी कड़ी में सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र से विकास कार्यो को लेकर जो भी योजनाएं बनाकर भेजी गई हैं उनमें से ज्यादातर की प्रशासनिक स्वीकृति जारी हो चुकी हैं और उनमें से कई कार्य प्रगतिरत हंम जबकि कई योजनाओं की वितीय स्वीकृति के बाद कार्य प्रारंभ होने वाले हैं।इन कार्यों के पूरा होने पर ग्रामीणों को मिली सौग़ात पर मंत्री कुमावत का आभार व अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर प्रशासक भेरूसिंह शेखावत (मणिहारी), गुंदोज मंडल महामंत्री हीरालाल परिहार, बूथ अध्यक्ष दिनेश देवासी, पूरण दास, ललित कुमावत, प्रधान मोहिनी पटेल, प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल, सांसद प्रतिनिधि डी.आर. चौधरी, रामलाल कुमावत, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, एसडीएम पाली विमलेंद्र सिंह राणावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सालासर पैदल यात्रियों के लिए भंडारे की व्यवस्था सुविधाओं के साथ महणसरिया

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सालासर पैदल यात्रियों के लिए महन सरिया मॉल में झरिया मोरी के पास गोयल सती दादी समिति परिवार द्वारा आयोजित निशुल्क भंडारे पर आज चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया ने चूरू शहर की सभी दुर्गा माता एवं साथ आए हजारों भक्त जन महिला एवं पुरुष का दुर्गा माता की मूर्ति का विसर्जन करने जाते समय प्रसाद खिलाकर स्वागत किया चुरू शहर में इस बार 50 के लगभग विभिन्न वार्डों में दुर्गा माता की पूजा अर्चना की गई थी इस अवसर पर संजय बजाज, सुशील बजाज, कालूराम महर्षि, राजकुमार सारस्वत, नित्यानंद कुदाल, मंगतूराम बागड़ा, महेश गोड, कैलाश नवहाल ,गोपी बजाज, बालकिशन राजगढ़िया, सुरेश बजाज सहित अनेक भक्त जन थे।

हाजी मोहम्मद अब्बास काजी को कांग्रेस संगठन में मिली जिम्मेदारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया की अनुशंषा पर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मोहम्मद अब्बास काजी को चूरू वार्ड नम्बर 1 से 14 तक संगठन की गतिविधियों के लिए प्रभारी नियुक्त हुए। नव नियुक्त प्रभारी को नियुक्ति पत्र देते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रियाजत खान व शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर ने कहा कि आप संगठन में वर्षो से पार्टी की सेवा करते रहे है और अच्छा अनुभव रखते है इससे संगठन को और मजबुती मिलेगी। इस अवसर पर देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर धान्धू, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान, रामचन्द्र सुण्डा, एडवोकेट अनीस खान आदि ने काजी अब्बास को पार्टी में नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सवाई माधोपुर दशहरा मैदान में रावण दहन कार्यक्रम में हुए शामिल

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विजयादशमी के पावन पर्व पर सवाई माधोपुर दशहरा मैदान में जिला प्रशासन एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वावधान में भव्य रावण दहन महोत्सव का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं विशिष्ट अतिथि नगर परिषद सभापति जयप्रकाश सामरिया की उपस्थिति में जैसे ही घड़ी ने 7 बजकर 37 मिनट का समय दर्शाया, अग्निबाण छोड़ा गया और क्षणभर में रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के 40 फिट ऊंचे पुतले धधकते हुए जलने लगे। पहले मेघनाथ झुका, फिर कुंभकरण का विशाल शरीर धरती पर गिरा और अंत में रावण की आँखों से जैसे चिंगारियाँ निकलती हुई दिखाई दीं। उसका मुकुट और सिर लपटों में झुलसकर नीचे गिरते ही मैदान "जय श्रीराम" के गगनभेदी नारों से गूँज उठा। हजारों दर्शकों ने जय श्रीराम के उद्घोष के बीच रावण दहन का अद्‌त दृश्य देखा और उत्साह से सराबोर हो उठे। अपने संबोधन में कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने कहा कि विजयादशमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा और धर्म का पालन करने की प्रेरणा देता है। आज हमें अपने भीतर मौजूद रावण रूपी अहंकार, लोभ, क्रोध, मोह और अन्य बुराइयों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। कृषि मंत्री ने विजयदशमी के पावन अवसर पर सभी जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब तक हम समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, असमानता, गरीबी, अज्ञानता और हिंसा जैसी बुराइयों को समाप्त नहीं करेंगे, तब तक विजयादशमी का वास्तविक संदेश अधूरा रहेगा। आज का दिन हमें बुराई पर अच्छाई की, अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। आज के संदर्भ में रावण सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि वो सभी बुराइयां हैं जो हमारे राष्ट्र और समाज के विकास में बाधक हैं। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, और राष्ट्र-विरोधी ताकतों जैसे आधुनिक रावणों से एकजुट होकर लड़ने के लिए तैयार रहने की बात कही । उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि एकजुट होकर राष्ट्र के उत्थान और समाज की समृद्धि के लिए कार्य करें।

बॉलीवुड नाईट की अद्‌त प्रस्तुतियों पर जमकर थिरके युवा:-

कार्यक्रम के अंतर्गत शोभायात्रा, आतिशबाज़ी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने संध्या को अविस्मरणीय बना दिया। रात्रि में बॉलीवुड सिंगर रविन्द्र उपाध्याय की अद्‌त प्रस्तुतियों पर युवाओं ने जमकर थिरक कर दशहरा महोत्सव के उल्लास को और बढ़ा दिया। बॉलीवुड गायक रविन्द्र उपाध्याय ने दर्शकों, विशेष रूप से युवाओं, को अपने गानों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने "जय श्री राम", "केसरी के लाल", "लगी तुमसे मेरी लगन" "यारों ने मेरे वास्ते क्या कुछ नहीं किया 100 बार शुक्रिया" जैसे लोकप्रिय गाने पेश किए। मैदान में मौजूद दर्शक कभी दूर से तो कभी नजदीक जाकर मोबाइल कैमरों और कैमरों में इस क्षण को कैद करते रहे। इस दौरान जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के बीच मैदान उत्साह और उल्लास से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर जिला कलक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल, उपखंड अधिकारी गौरव मित्तल, नगर परिषद सभापति जयप्रकाश सामरिया, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों को माला पहनाकर सम्मानित किया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस-2025 का आयोजन मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी मोहनलाल शर्मा रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी मनीष शर्मा, महेंद्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर वृद्धजनों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी एवं परिचर्चा के माध्यम से वृद्धजनों से संवाद स्थापित किया गया, जिसमें उनकी देखभाल, भावनात्मक सहयोग और अनुभव साझा करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक रजत भारद्वाज द्वारा किया गया। वृद्ध महिलाओं द्वारा लोकगीत प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम का वातावरण सांस्कृतिक और उत्साहपूर्ण बन गया।

इस अवसर पर सभी वृद्धजनों को पानी की बोटल भेंट कि गई। साथ ही, नशामुक्ति का संदेश देते हुए उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत की ओर से विजय, हरमीत सिंह मनोज महावर आदि उपस्थित रहे।

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में रिक्त स्थानों के लिए आवेदन 07 अक्टूम्बर तक

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय पाली के अकादमिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में रिक्त स्थानों के लिए विविध श्रेणियों में विद्यार्थी अब 07 अक्टूम्बर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अर्थशास्त्र, अकाउन्ट्स और बीएफई विषय में सभी श्रेणियों में स्थान रिक्त है। व्यावसायिक प्रशासन विषय में ईडब्ल्यूएस, एमबीसी, एसटी और एससी श्रेणी में स्थान रिक्त है। रसायन शास्त्र विषय में एमबीसी और एसटी श्रेणी में स्थान रिक्त है। राजनीति विज्ञान में ईडब्ल्यूएस, एमबीसी और एसटी श्रेणी में स्थान रिक्त है। हिंदी में ईडब्ल्यूएस, एमबीसी, एसटी, ओबीसी और एससी श्रेणी में स्थान रिक्त है। इतिहास में ईडब्ल्यूएस और एसटी श्रेणी में स्थान रिक्त है। इसी प्रकार भूगोल में केवल एसटी श्रेणी में स्थान रिक्त है।

अहिंसा, स्वदेशी व स्वच्छता के क्षेत्र में महात्मा गाँधी का योगदान अतुलनीय

-कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित समारोह में महात्मा गांधी और शास्त्री को किया याद

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती के अवसर पर 2 अक्टूबर, गुरूवार को गाँधी चौक व कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति पर राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदोलिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा एवं अन्य अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि अहिंसा, स्वदेशी व स्वच्छता के क्षेत्र में महात्मा गाँधी का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के नेतृत्व में गत 11 वर्षों से स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण राष्ट्र में स्वच्छता के प्रति आमजन में अलख जगी है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य बनता है कि हम स्वच्छ भारत अभियान में महत्वपूर्ण सहभागिता निभाएं तथा अपने आस-पास के वातावरण को भी स्वच्छ बनाएं रखे। उन्होंने कहा कि प्रशासन से जुड़े अधिकारी-कार्मिक शांत, चित्त, धैर्य व संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं को सुने तथा इन समस्याओं का उचित प्रभाव से निस्तारण करें। कार्यक्रम में विवेकानंद आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वालेरा की छात्राओं ने गाँधीजी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो तेने कहिये...." भजन की प्रस्तुति दी वही महात्मा गांधी अंग्रजी माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर जालोर की छात्राओं ने "रघुपति राघव राजा राम..." की प्रस्तुति के साथ ही "गांधी की बातें" नृत्य नाटिका के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को दर्शाया।

ग्राम सेवा सहकारी समिति, चौथ का बरवाड़ा से जिला स्तरीय सहकार सदस्यता अभियान का शुभारम्भ

-2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित होंगे सहकार सदस्यता शिविर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार 2 से 15 अक्टूबर तक चल रहे सहकार सदस्यता अभियान का जिला स्तरीय शुभारम्भ गुरुवार को चौथ का बरवाड़ा में हुआ। ग्राम सेवा सहकारी समिति लि., चौथ का बरवाडा में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जिला कलक्टर एवं प्रशासक काना राम ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर अभियान का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सहकार सदस्यता पोस्टर का विमोचन भी किया गया। जिला कलक्टर काना राम ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता को जन-जन तक पहुँचाने और अधिकाधिक लोगों, विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने का यह सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया कि शिविरों के दौरान

सहकारी सेवाओं की जानकारी देने के साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाओं के लाभार्थियों की आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य भी किया जाएगा, ताकि किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में न्यूनतम 15 प्रतिशत नये सदस्यों को जोड़ा जाएगा। सहकारिता से जुड़े किसान ब्याज मुक्त ऋण और अन्य योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। सवाई माधोपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक बिजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि 2 से 15 अक्टूबर तक जिले की सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों में विशेष कैम्प आयोजित होंगे। कोई भी नागरिक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद सहकारिता से जुड़ सकता है और गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण प्राप्त कर सकता है। उप-रजिस्ट्रार डॉ. प्रीति यादव ने कहा कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पैक्स का गठन, नए गोदामों का निर्माण और ग्रामीणों तक सहकारी योजनाओं के लाभ पहुँचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

जनसंवाद कार्यक्रम में हुई बाल संरक्षण पर चर्चा

-जागरूकता रैली निकाली, मोही में जनसंवाद में पोक्सो अधिनियम की दी जानकारी

राजसमंद (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस द्वारा राज्यव्यापी ऑपरेशन जागृति चरण-04 के तहत उदयपुर रेंज के सभी जिलों में पोक्सो अधिनियम पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार को गांधी जयंती के अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में उदयपुर रेंज पुलिस और यूनिसेफ राजस्थान के सहयोग से संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम अंतर्गत मनाए जा रहे जागरूकता सप्ताह के तहत राजसमंद में पॉक्सो अधिनियम की जानकारी देने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. ममता गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस रैली को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत विश्नोई ने रवाना किया। उन्होंने इस रैली के

माध्यम से बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए निहित संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही और इस सप्ताह के तहत आयोजित गतिविधियों के माध्यम से बाल संरक्षण के प्रति हर वर्ग को जागरूक होकर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर यूनिसेफ की बाल संरक्षण सलाहकार सिन्धु बिनुजीत भी मौजूद रही। उन्होंने कहा कि बालकों को यौन अपराध से बचाना हम सभी का दायित्व है और इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के साथ होने वाले यौन दुराचार से उनको बचाने एवं आमजन को उनकी सुरक्षा के लिए बनाए पोक्सो कानून की जानकारी देकर जागरूक करना है। यह रैली जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर जल चक्की चौराहा, बजरंग चौराहा, लंगोट चौराहा, बस स्टैंड होकर पुनः जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर संपन्न हुई। रैली में पुलिस विभाग की लेडी पेट्रोलिंग टीम, कालिका टीम, पुलिस की सिग्मा, यातायात पुलिस और जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कार्मिक मौजूद रहे।

दादिया में रात्रि चौपाल का आयोजन

-जिला कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएँ

सीकर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बुधवार को सीकर के दादिया में रात्रि चौपाल आयोजित कर आमजन की समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में जलदाय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, विद्दुत, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्व, कृषि, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपनी-अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। चौपाल में शिक्षा, पेयजल,

विद्दुत, सड़क, अतिक्रमण, सामाजिक न्याय, पंचायती राज, रसद, पीडब्ल्यूडी आदि विभागों से संबंधित कुल 19 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने सभी प्रकरणों के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी निखिल कुमार, सहायक निदेशक इंदिरा शर्मा, डीईओ सुरेंद्र सिंह सहित जिला व उपखंड स्तर के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कार्यकर्ताओं को दिलाया स्वच्छता एवं स्वदेशी का संकल्प- भागीरथ

-गांधीजी के सपनों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान घर-घर तक पहुँचा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर गांधी भवन, अजमेर में जिला स्तरीय स्वच्छता अभियान एवं पुष्पांजलि संगोष्ठी कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री तथा अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने सहभागिता करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता को जीवन का आधार बनाकर पूरे विश्व को मार्गदर्शन दिया। उनका "स्वच्छता को जनआंदोलन" बनाने का संकल्प आज भी प्रासंगिक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने इसे घर-घर तक पहुँचाया है।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को स्मरण करते हुए कहा कि शास्त्री का "जय जवान, जय किसान" का मंत्र सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता है। आज जब भारत आत्मनिर्भरता और कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब शास्त्री जी के विचार और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद भागीरथ चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर स्वदेशी उत्पादों और खादी वस्त्रों को अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि खादी वस्त्र केवल परिधान नहीं, बल्कि स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, अजमेर शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयंती पर किया महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण

-प्रभात फेरी से दिया शांति, अहिंसा और सद्भावना का संदेश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस (2 अक्टूबर 2025) पर गुरुवार को गांधी चौक पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना व रामधुन से शांति, अहिंसा तथा सद्भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महात्मा गांधी और शास्त्री का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार हमेशा प्रासंगिक बने रहेंगे। इससे पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से समाज कल्याण सप्ताह के तहत प्रभात फेरी को रामलीला मैदान से एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार सहित अन्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शांति, अहिंसा और सद्भावना का संदेश देते हुए फेरी शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए गांधी चौक पहुंची, जहां विद्यार्थियों द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में गांधीजी के

प्रिय भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एसपी डॉ. अमृता दुहन सहित अतिथियों ने पुष्पांजलि के जरिये महात्मा गांधी और शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि उनके सिद्धांत व आदर्श आने वाली पीढ़ियों को शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाते रहेंगे। आज के दिन सभी मिलकर महात्मा गांधी और शास्त्री के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लें। इसके पश्चात प्रताप मार्केट स्थित पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर मौके पर एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता रीना, एसडीएम नयन गौतम, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक वीरेंद्रपाल सिंह, डॉ. अजय सिंघला, गिरजेशकान्त शर्मा, रविन्द्र यादव, हरिराम चौहान, अरविन्दर सिंह, प्रदीप धेरड़, सीताराम मौर्य, विधार्थी, स्काउट गाइड, जनप्रतिनिधियों सहित अन्य मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान

खैरथल-तिजारा (रॉयल पत्रिका)। जिले में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उन्हें समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से पेंशन प्राप्त कर रहे वरिष्ठ नागरिकों को जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कार्यक्रम में शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंट कर एवं पुष्पमालाएँ पहनाकर सम्मान किया। सम्मानित होने वालों में जंगली सिंह मेघवाल, सरदार बलबीर सिंह, श्याम सिंह, लाल खान और जहूर खान शामिल रहे। जिला कलेक्टर ने इस अवसर पर कहा कि वृद्धजन समाज की धरोहर हैं, जिन्होंने अपने अनुभव और परिश्रम से समाज को दिशा दी है। उन्होंने कहा कि समाज

में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति आदर और सम्मान की भावना बनाए रखना हम सबका कर्तव्य है। जिला कलेक्टर ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के सभी वृद्धजनों को जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जोड़ा जाए तथा उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण लाभ दिलाया जाए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल ने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी सुविधाओं से संबंधित फीडबैक प्राप्त किया। स्वयंसिद्धा आश्रम के संचालक रूपसिंह गुर्जर ने संस्था की ओर से वृद्धजनों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। जिला पेंशन समाज के अध्यक्ष पोहपसिंह यादव ने सेवानिवृत्त वृद्धजनों के पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण की मांग जिला प्रशासन से की। इस अवसर पर जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी रमेश देहमीवाल, ब्लॉक समाज कल्याण अधिकारी गजराज सिंह, सौरभ चौधरी, नवीन यादव सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया छोटीसादड़ी शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

प्रतापगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने बुधवार को छोटीसादड़ी में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने आमजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के लिए समस्या निराकरण और योजनाओं का लाभ लेने का बड़ा माध्यम है। उन्होंने शिविर का अवलोकन करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य अंतिम छोर तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाना है, ताकि आमजन को पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने शिविर का अवलोकन करते हुए उपस्थित आमजन से उनकी समस्याओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत कपड़े के थैले वितरित कर प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा आमजन को

विभिन्न सेवाओं का त्वरित लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एक-एक काउंटर पर जाकर प्रत्येक विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रगति के बारे में पूछा। इस अवसर एसडीएम यतींद्र पोरवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण सेवा शिविर 2025 आमजन के लिए जीवन बदलने वाली पहल साबित हो रहे हैं। शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का न केवल मौके पर समाधान हो रहा है बल्कि जरूरतमंदों को राहत भी मिल रही है।

केंद्रीय वन मंत्री एवं वन राज्यमंत्री ने अलवर में दशहरा पर्व के कार्यक्रम में की शिरकत

-दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक- केंद्रीय वन मंत्री

अलवर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में अलवर के दशहरा मैदान में पुरूषार्थी समिति द्वारा आयोजित रावन दहन कार्यक्रम में शिरकत की। यादव ने आमजन को विजयदशमी पर शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अहंकार पर विनम्रता की सीख देता है। उन्होंने कहा कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को सदैव विजय ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने रावण का वध करके संसार को धर्म, शांति व सद्भाव का संदेश दिया। हम सभी को भगवान श्रीराम के सत्य व मर्यादा के मार्ग का अनुसरण करके देश को शांति, भाईचारे व विकास की आगे बढाने में महती भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है इसलिए सभी लोग लोकल फ़ॉर वोकल को अपनायें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नवरात्रों से जीएसटी में छूट कर सभी को राहत प्रदान की है। इस अवसर पर रामगढ विधायक सुखवंत सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध व्यक्ति एवं भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व पीएम शास्त्री को अर्पित किए श्रद्धासुमन

-जिला कलक्टर ने माल्यार्पण कर किया नमन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के मौके पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिला कलक्टर लोकबंधु ने

गाँधी भवन पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। लोकबंधु ने कहा कि राष्ट्रपिता के जीवन को हमेशा प्रेरणा के रूप मे लिए जाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि दोनों ही महापुरुषों का संपूर्ण जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि हर लक्ष्य को धैर्य, त्याग और दृढ़ संकल्प से प्राप्त किया जा सकता है। महात्मा गांधी ने अपना जीवन देश की आजादी में समर्पित कर दिया और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। इसकी आज वैश्विक स्तर पर घटित हो रही घटनाओ के सन्दर्भ मे अहमियत को समझा जा सकता है। ऐसे महापुरुषों से हमें अपने जीवन में प्रेरणा लेनी चाहिए। इसी तरह भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओ को खुद की समस्या मानकर समाधान की दिशा मे काम करते थे। उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके जीवन से शिक्षा लेकर आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के प्रिय भजनों एवं रामधुनि ने वातावरण शांत एवं भक्तिमय बना दिया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक जय प्रकाश सहित जनप्रतिधि, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्मिक, छात्रावास एवं विद्यालय के विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वन राज्यमंत्री ने अलवर में गांधी जयन्ती पर खरीदे खादी के कपडे

-लोकल फॉर वोकल को बढावा देने का दिया संदेश

अलवर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान के तहत गुरूवार को गांधी जयन्ती के अवसर पर अलवर शहर में स्थित खादी भण्डार में खादी से बने कपडों की खरीददारी कर वोकल फॉर लोकल को बढावा देने के लिए आमजन को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'स्वदेशी अपनाओ देश को मजबूत बनाओ' के मंत्र को अपनाकर हम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि स्थानीय उत्पादकों, शिल्पकारों और छोटे उद्यमियों को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त प्रयास है। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि हमारे देश की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना था कि खादी हर घर तक पहुंचे और हर हाथ को काम मिले, अब समय है कि हम स्थानीय कारीगरों का साथ दें और स्वदेशी को अपनाए। उन्होंने कहा कि जब हम अपने देश में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे, तो देश की आर्थिक स्थिति और स्थानीय रोजगार दोनों को बल मिलेगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि त्योहारों, उपहारों एवं दैनिक उपयोग में स्वदेशी विकल्पों को प्राथमिकता देकर हमारे हस्तशिल्पियों व स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में सहयोग करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'अवतार' की जादुई दुनिया का ट्रेलर हुआ रिलीज, खत्म हुआ फैंस का इंतजार

'अवतारः फायर एंड ऐश' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने इस फ्रैंचाइजी के फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो रही है। जेम्स कैमरून एक बार फिर अपने दर्शकों को उस जादुई और रहस्यमयी दुनिया में ले जा रहे हैं जिसने साल 2009 से अब तक सिनेमा के इतिहास में कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। 'अवतारः फायर एंड ऐश' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसके साथ ही पेंडोरा की धरती पर संघर्ष की लपटें और तेज होती दिख रही हैं। इस बार कहानी और गहरी है और दर्द भी ज्यादा नजर आ रहा है। सुली परिवार अपने बड़े बेटे नेतेयाम की मौत का गम झेल रहा है। परिवार के इस दर्द के बीच पेंडोरा पर एक नई चुनौती खड़ी होती है—ऐश पीपल नाम की नई नावी जनजाति। इस जनजाति की अगुवाई वरांग कर रही हैं, जिसका किरदार ऊना चैपलिन निभा रही हैं। ये समूह बेहद आक्रामक है और पेंडोरा पर एक नई तरह का तनाव पैदा करता है। फिल्म का निर्देशन और लेखन जेम्स कैमरून ने रिक जाफा और अमांडा सिल्वर के साथ मिलकर किया है। इसमें जोश फ्रीडमैन और शेन सालर्नो ने भी कहानी को आकार दिया है। दर्शकों को एक बार फिर जेक सुली और नेयतिरी की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिनकी भूमिकाओं में सैम वर्थिंगटन और जोई सलदाना हैं। इस बार सिर्फ विजुअल्स ही नहीं, बल्कि भावनाएं भी ज्यादा तीव्र होंगी। नेतेयाम की मौत से टूटा हुआ सुली परिवार और पेंडोरा पर बढ़ता तनाव- यही फिल्म की थीम बताई जा रही है।

टॉलीवुड

रवि तेजा की 'मास जथारा' की रिलीज इसी महीने, मेकर्स ने शेयर किया पोस्टर

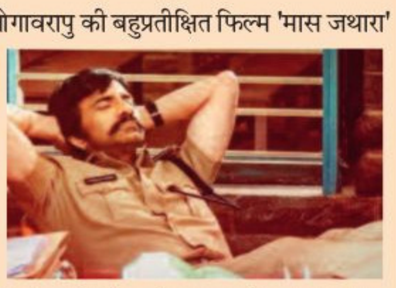

निर्देशक भानु बोगावरापु की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मास जथारा' के निर्माताओं ने आज बुधवार को फिल्म की रिलीज की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस खुशखबरी से रवि तेजा के फैंस बेहद खुश हैं। साउथ एक्टर रवि तेजा की आगामी फिल्म 'मास जथारा' की आज रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। जानिए सिनेमाघरों में कब देख सकेंगे रवि तेजा की एक्शन से भरपूर फिल्म 'मास जथारा'।

रवि तेजा ने आज अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी फिल्म 'मास जथारा' से अपना एक शानदार पोस्टर शेयर किया और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया। रवि तेजा ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे पता है कि इंतजार लंबा हो गया है, लेकिन यह इसके लायक होगा। आइए, 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में जश्न मनाएं।'

निर्देशक भानु बोगावरापु की फिल्म 'मास जथारा' 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अभिनेता रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्माता, सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, '31 अक्टूबर से सिनेमाघरों में मास महाराज रवि तेजा के साथ धमाकेदार मनोरंजन शुरू!

फिल्म 'मास जथारा' में रवि तेजा के साथ अभिनेत्री श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। सिनेमैटोग्राफी विधु अयन्ना और संपादन नवीन नूली ने किया है। सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले बनी यह फिल्म श्रीकारा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। पहले यह 27 अगस्त को रिलीज होने वाली थी।

बॉलीवुड

तीसरा नॉर्थईस्ट इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल हुआ मुंबई में

फाइंड स्टूडियो की पहल तीसरा संस्करण नॉर्थईस्ट इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एनआईआईएफएफ) 2025 मुंबई के मेयर हॉल, जुहू में बड़े ही शानदार तरीके से संपन्न हुआ। इस आयोजन में भारत और विदेशों से आए दर्शकों ने हिस्सा लिया और नॉर्थईस्ट इंडिया की सांस्कृतिक समृद्धि और सिनेमा की उत्कृष्टता का आनंद लिया। संध्या की शुरुआत क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देते हुए हुई, इसके बाद एन.के. नागा द्वारा एक मधुर प्रस्तुति दी गई, जो नागालैंड के पुरस्कार विजेता कलाकार और उस्ताद बिस्मिल्ला खान युव पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं। इस की मेज़बानी एनआईआईएफएफ के अध्यक्ष मोहन दास, उपाध्यक्ष अनुराग त्रिपाठी और सह संस्थापक शिराज़ हेनरी ने की। शिराज हेनरी मूल रूप से छत्तीसगढ़ भिलाई से हैं और विगत तीन दशक से फिल्म नगरी मुम्बई में सक्रिय हैं। इस साल के संस्करण में महिला फिल्म निर्माताओं पर विशेष ध्यान दिया गया, उनके योगदान को सम्मानित किया गया और क्षेत्र के उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया गया। नॉर्थईस्ट इंडिया के प्रमुख पुरस्कार विजेताओं में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्मः तारीख–हिमज्योति तालुकदार, दूसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्मः काइनखोल– सिंग पीयर्सन अनाल, सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म (जूरी पुरस्कार) आदि-दिबाकर पेगू, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक एमेच्योर– धीरज कश्यप, सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशकः ओथारेई-दिनेश नौरम सौरोकहाइबम, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता बोलोराम दास-तारीख, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रीः अनिंदिता रुद्राज-झंकार द मेलोडी ऑफ रेजोनेंस, सर्वश्रेष्ठ महिला फिल्म निर्माताः द क्राई ऑफ ए लाइफलेस -भवानी डोले ताहू शामिल हैं।

नियॉन का जादू

लाइफ स्टाइल

1980 के दौर के फैशन के जीवंत परिदृश्य में नियॉन रंग के कपड़े और एक्सेसरीज़ अपनी बोल्ड और आकर्षक उपस्थिति से सड़कों पर छा जाते थे। इस चलन में हॉट पिंक, इलेक्ट्रिक ब्लू, नियॉन ग्रीन और हाइलाइटर येलो जैसे फ्लोरोसेंट रंगों का इस्तेमाल किया गया, जिससे आउटफिट्स में रंगों की एक अनोखी चमक आ गई थी। अब यह चलन यूरोप के मुल्को में फिर से नजर आ रहा है।

साटन ब्लाउज सिलवाते समय न करें ये गलतियां, लुक हो जाएगा खराब

साड़ी हो या लहंगा और या तो फिर शरारा आउटफिट। लगभग सभी के साथ आजकल ब्लाउज को स्टाइल किया जा रहा है। इसमें आपको कई डिजाइन व पैटर्न भी आसानी से मिल जाएंगे। वैसे तो आजकल आपको मार्केट में कई रेडीमेड ब्लाउज के डिजाइन आसानी से मिल जाएंगे, परफेक्ट फिटिंग और मनचाहा डिजाइन के ब्लाउज को पहनने के लिए हम इसे सिलवाना ही पसंद करते हैं। आजकल साटन के ब्लाउज को काफी पसंद किया जा रहा है। देखने में साटन का फैब्रिक बेहद क्लासी लुक देने में मदद करता है। कई बारी हमें फैब्रिक की जानकारी कम होने के कारण ब्लाउज सिलवाते समय हम कई छोटी-बड़ी गलतियां कर देते हैं, जिसका असर हमें बाद में नजर आता है। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे टिप्स जिनकी मदद से आप आसानी से साटन का ब्लाउज बनवा सकते हैं और अपने लुक को आकर्षक बना सकते हैं।

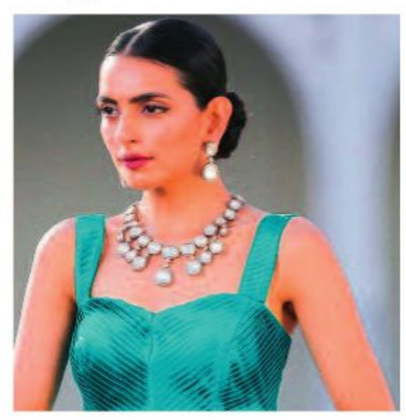

ब्लाउज बनवाने के लिए फैब्रिक का चुनाव कैसे करें?

ब्लाउज के लिए आपको मार्केट में कई तरीके के अलग-अलग फैब्रिक मिल जाएंगे। इसी तरह से साटन का फैब्रिक भी कई तरीके का आता है और इन सभी की क्वालिटी भी एक-दूसरे से बिल्कुल अलग होती है। बता दें कि जितना सस्ता या महंगा दाम फैब्रिक का होगा उतनी ही उसकी क्वालिटी में आपको बदलाव नजर आएगा। इसके लिए आप कोशिश करें कि पहले 2 से 3 दुकाने जाए और अलग-अलग तरह के साटन फैब्रिक देखें और आखिर में जाकर आप अपनी पसंद और बजट के हिसाब से फैब्रिक को फाइनल करें।

ब्लाउज की परफेक्ट फिटिंग पाने के लिए क्या करें?

अक्सर हमारे ब्लाउज की फिटिंग बार-बार करने से भी परफेक्ट लुक नहीं आ पाती है। दरअसल ब्लाउज को सही फिटिंग देने के लिए आपको सबसे पहले अपनी बॉडी टाइप और लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आप कोशिश करें कि ब्लाउज के अंदर कप्स का इस्तेमाल जरूर ही करें। वहीं अगर आपकी ब्रेस्ट हैवी है तो कप्स के लिए पतले मटेरियल का इस्तेमाल करें।

सूट पहनना है सीखना, तो जान लें नए दौर की स्टाइल

स्टाइल के मामले में बॉलीवुड-हॉलीवुड के कलाकार हमेशा कमाल ही नहीं, बल्कि धमाल भी करते रहते हैं। सूट उनके स्टाइल स्टेटमेंट का एक बड़ा हिस्सा होता है और उनके स्टाइलिंग आइडियाज की मदद से आपको जानना चाहिए कि स्टाइलिश ढंग से सूट कैसे पहनें।

प्रिंट-ऑन-प्रिंट

प्रिंट-ऑन-प्रिंट लेयरिंग के साथ क्लासिक चेक एक जबरदस्त कांबिनेशन है। इसमें लाल और नीले रंग के सिंगल ब्रेस्टेड चेकर सूट के साथ उसी रंग की चेकर शर्ट का चुनाव अपने इस लुक के लिए किया गया है, जो आपकी पर्सनलिटी को निखारने में मदद करता है। लुक को पूरा करने और प्रिंट और कलर प्ले को ब्रेक करने के लिए सॉलिड टाई का विकल्प चुना जा सकता है।

मोनोक्रोम

हाउंडस्टूथ सूट के साथ मोनोक्रोम लुक भी खूब जंचता हैं। इस लुक में फैब्रिक का टेक्सचर उभर कर सामने आता है। इसे वी-नेक की ग्रे और ब्लैक टी के ऊपर लेयर कर सकते है। कलर फैमिली को सेम रखने के लिए ब्लैक स्नीकर्स के साथ लुक को पूरा किया जा सकता है।

ट्रेडिशनल रिवेम्पड

ब्लैक एंड व्हाइट सूट के साथ ट्रेडिशन लुक को एक कंटेमपरी अपडेट मिलता है। इस पावर-पैक आउटफिट के लिए ट्रिपल थ्रेट (प्रिंट-ऑन-प्रिंट-ऑन-प्रिंट) जबरदस्त है। गोल्ड-स्टडेड पेटेंट लैदर ब्रोग्स के साथ लुक को कंप्लीट किया जा सकता है, जो इस लुक में एक चमकदार फिनिशिंग टच जोड़ता है।

क्लासिक पिनस्ट्रिप

फिलहाल के मौजूदा चलन 'सफेद सूट' और एक टाइमलेस क्लासिक पिनस्ट्रिप के साथ यह सफेद पिनस्ट्रिप सूट अपने आप में जबरदस्त है। इस लुक के लिए डबल ब्रेस्टेड जैकेट को ब्लैक टी के ऊपर बटन किया जा सकता है, जो एक बार फिर आपके मोनोक्रोम लुक को शानदार बनाने का काम करता है। काले जूते और अच्छी तरह से घुंघराले बालों के साथ, फ्यूचर के लिए इस लुक को बुकमार्क कर लें।

चेहरे पर हैं डार्क स्पॉट तो इन्हें कम करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

काफी कोशिश करने के बाद भी अगर आपके चेहरे पर होने वाले दाग धब्बे कम नहीं हो रहे हैं तो इसके लिए आप एक्सपर्ट के बताए गए तरीकों को ट्राई कर सकती हैं।इसके लिए जरूरत है आपको एक्सपर्ट के बताए गए तरीकों को ट्राई करने की। डॉ. आंचल जो की एक डर्मेटोलॉजिस्ट हैं उन्होंने अपनी इस वीडियो में बताया कि आप किस तरीके से डार्क स्पॉट को कम कर सकती हैं। आप भी इनकी ब्यूटी से जुड़ी वीडियो देखने के लिए सोशल मीडिया पर फॉलो कर सकती हैं।

स्किन को करें मॉइश्चराइज

अगर आपको डार्क स्पॉट से छुटकारा पाना है तो इसके लिए आप मॉइश्चराइजर लगाएं। अगर आप इसका इस्तेमाल अपनी स्किन पर रोजाना करेंगी तो आपको डार्क स्पॉट की समस्या से छुटकारा मिलेगा। इसके लिए आप चाहे तो घर पर रखी चीजों से भी स्किन को मॉइस्चराइज कर सकती हैं इसके लिए मलाई या फिर एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

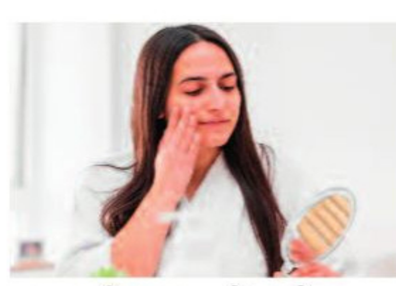

सनस्क्रीन का करें इस्तेमाल

स्किन पर होने वाले डार्क स्पॉट को कम करना है तो इसके लिए आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ऐसा इसलिए क्योंकि जब भी हम (चेहरे के दाग धब्बों के लिए इस्तेमाल करें मुल्तानी मिट्टी) धूप में निकलते हैं तो स्किन के डार्क स्पॉट ज्यादा नजर आते हैं। ऐसे में धूप की वजह से ये परेशानी ज्यादा न हो इसके लिए आपको सनस्क्रीन का इस्तेमाल धूप में निकलने से पहले जरूर करना चाहिए। इससे स्किन पर होने वाले डार्क स्पॉट को हील होने में मदद मिलती है।

सीरम का करें स्किन पर इस्तेमाल

इन सिल्क साड़ी डिजाइन को वेडिंग फंक्शन में करें स्टाइल, लगेंगी खूबसूरत

साड़ी का फैशन हमेशा एवरग्रीन रहता है। इसे त्योहारों में शादी में हर कोई पहनना पसंद करता है। कई सारी महिलाएं ऐसी होती हैं कि जो रोजाना में भी इन्हें वियर करती हैं। लेकिन शादी के लिए कुछ अलग हटके साड़ी खरीदती हैं। इनको खरीदने का मकसद होता है। इस खास दिन पर सबसे अलग दिखना। ऐसे में आप सिल्क साड़ी के अलग-अलग ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं। इसमें हर एक तरह के डिजाइन और फैब्रिक में साड़ी मिल जाएगी। इन साड़ी की खास बात ये होती है कि इन्हें स्टाइल करने से आपका लुक ही बदल जाएगा। आप एक रॉयल लुक में नजर आएंगी। इसलिए आप यहां बताए गए ऑप्शन वाली साड़ियों को इस शादी सीजन में स्टाइल कर सकती हैं।

बनारसी सिल्क साड़ी

वेडिंग सीजन की शॉपिंग करने के लिए आप मार्केट जा रही हैं तो इसके लिए आपको बनारसी सिल्क साड़ी खरीद सकती हैं। इसमें आपको हैवी वर्क साड़ी भी मिलेगी। जिसमें आप बड़ी बूटियों वाले डिजाइन वाली साड़ी या फिर चौड़े बॉर्डर वाली साड़ी खरीद सकती हैं। इसमें आप रेड, ब्लू, पिंक और डबल शेड साड़ी खरीद सकती हैं। इसके साथ आप कट स्लीव्स ब्लाउज या फिर हाफ स्लीव्स ब्लाउज पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन आपको मार्केट में 2000 से 5000 के बीच मिल जाएगी।

कार्नर न्यूज

हर कोई चाहता है भीड़ में अलग नजर आना, खुद पर दें ज्यादा ध्यान

त्यौहारों में ट्रेडिशनल लुक के लिए अपनाएं कुछ खास टिप्स, लोग करेंगे भरपूर तारीफ

फेस्टिवल में अक्सर हम सभी लोग ट्रेडिशनल लुक क्रिएट करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यही वो दिन होते हैं जब लड़कियां सूट और साड़ी स्टाइल करना सबसे ज्यादा पसंद करती हैं। दुर्गा पूजा के बाद अब दीपावली की तैयारी है। ऐसे में आप ट्रेडिशनल लुक क्रिएट कर सकती हैं और खूबसूरत लग सकती हैं। इसके लिए बस आपको यहां बताए गए इन 3 खास टिप्स को ट्राई कर सकती हैं।

ट्रेडिशनल आउटफिट करें वियर

दुर्गा पूजा के बाद अब दीपावली पर ट्रेडिशनल लुक क्रिएट करने के लिए आप ट्रेडिशनल आउटफिट वियर कर सकती हैं। इसके लिए आप कॉटन व्हाइट और रेड कलर साड़ी, हैवी वर्क सिल्क साड़ी, सूट, या फिर बंगाली फेमस आउटफिट को भी वियर कर सकती हैं। ये दिखने में जितने ट्रेडिशनल होते हैं। स्टाइल करने में भी सबसे अच्छे लगते हैं। आप भी इन्हें वियर कर सकती हैं और ट्रेडिशनल तरीके से रेडी हो सकती हैं। ट्रेडिशनल लुक के लिए आप बंगाली स्टाइल में भी साड़ी वियर कर सकती हैं।

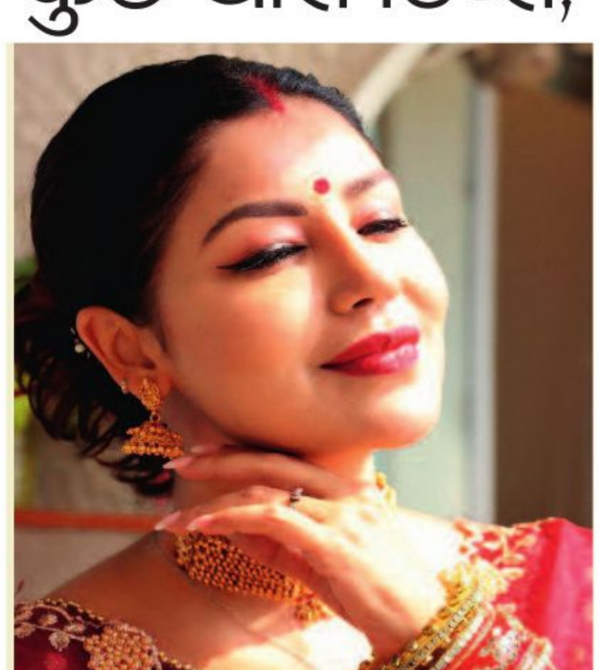

ट्रेडिशनल ज्वेलरी करें वियर

दुर्गा पूजा के बाद अब दीपावली में आप ट्रेडिशनल ज्वेलरी वियर कर सकती हैं। इसके लिए आपके कान की बालियां, हार, मांग टीका और हाथ फूल स्टाइल कर सकती हैं। ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ इस तरीके की एक्सेसरीज काफी अच्छी लगती हैं। आप भी इस बार इन्हें वियर करें। इससे आपको बेहद खूबसूरत नजर आएगी।

मेकअप और हेयर स्टाइल

ट्रेडिशनल लुक को पूरा करने के लिए आप मेकअप और हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए आप बोल्ड आई मेकअप, न्यूड बेस और हेयर स्टाइल (साड़ी फैशन) में आप बन के साथ गजरा हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। लहंगा, साड़ी और सूट के साथ ये काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा आप चाहे तो ब्रेड हेयर स्टाइल भी बना सकती हैं। आप चाहे तो ट्रेडिशनल हेयर एक्सेसरीज को भी लगाकर लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इन टिप्स को ट्राई करें और दुर्गा पूजा के बाद अब दीपावली के लिए ट्रेडिशनल लुक क्रिएट करें। इसमें आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। इसके अलावा आप चाहे तो बंगाली लुक को क्रिएट कर सकती हैं वो भी काफी अच्छा लगता है। इसमें आप सबसे ज्यादा व्हाइट और रेड कलर चूज किया जाता है।

खबर संक्षेप

दीप्ति बनीं सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय स्पिनर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप 2025 के अपने पहले मैच में श्रीलंका क्रिकेट टीम को डक वर्थ लुईस की बदौलत 59 रन से शिकस्त दी। भारत की इस जीत में दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाया और फिर गेंदबाजी में 3 विकेट लिए। इस बीच वह वनडे में सर्वाधिक विकेट वाली भारतीय महिला स्पिनर बनी। नीतू डेविड से आगे निकली दीप्ति बल्लेबाजी में छाप छोड़ने वाली दीप्ति ने गेंदबाजी में भी कमाल किया। इस ऑफ स्पिनर ने अपने 10 ओवर में 54 रन देते हुए 3 विकेट लिए। उनके नाम अब 28.19 की औसत के साथ 143 विकेट हो गए हैं। वह वनडे प्रारूप में दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बनी। उन्होंने नीतू डेविड (141) को पीछे छोड़ा। उनसे आगे इस सूची में फिलहाल सिर्फ झूलन गोस्वामी (255) हैं।

चहल अगले काउंटी में भी नॉर्थम्पटनशायर से खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल 2026 सीजन में नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में वापसी करेंगे। वह इससे पहले 2024 और 2025 सीजन में भी इसी टीम के लिए खेल चुके हैं। क्लब ने हाल ही में बताया कि चहल टीम के साथ अपने कार्यकाल के दौरान वनडे कप और काउंटी चैंपियनशिप के लिए उपलब्ध रहेंगे। बता दें कि चहल ने काउंटी चैंपियनशिप में कुल 31 विकेट लिए हैं। नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच डैरेन लेहमैन भी चहल की अपनी टीम में वापसी से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, युजी इस टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनके करियर का रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है और वह टीम में अनुभव लेकर आते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे मसूद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 12 अक्टूबर से दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाली 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की वापसी हुई है, जो टी-20 एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। शान मसूद टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे, जबकि रिजवान विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बीएफआई कपः अमित पंघाल, मंजू अगले दौर में

चेन्नई। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता सेना के मुक्केबाज अमित पंघाल पंजाब के स्पर्श कुमार को 5.0 से हराकर बीएफआई कप एलीट पुरूष वर्ग के अगले दौर में पहुंच गए हैं।

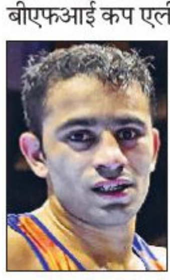

एलीट महिला वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता रेलवे की मंजू रानी और युवा विश्व चैम्पियन असम की अंकुशिता बोरो और सेना की अरूंधति चौधरी ने भी जीत दर्ज की। सेना के एस विश्वनाथ (50 किलो) और प्रीत मलिक (65 किलो) भी 5.0 से जीत दर्ज करके अगले दौर में पहुंच गए। रेलवे के रवि कुमार (75 किलो) और तमिलनाडु के सी लुकास (50 किलो) ने भी अगले दौर में प्रवेश किया। महिला वर्ग में मंजू रानी ने पंजाब की कशिश मेहता को 48 किलो वर्ग में 5.0 से हराया। वहीं अरूंधति ने 70 किलोवर्ग में हरियाणा की मनीषा को मात दी।

जल्द ही औपचारिक रूप से भारत लाई जाएगी एशिया कप 2025 की ट्रॉफी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद जारी है। इन सबके बीच ये खबर है कि फिलहाल एशिया कप की यह ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी के क्षेत्रीय कार्यालय में रखी हुई है और जल्द ही इसे भारत लाया जाएगा।

भारत भेजी जाएगी ट्रॉफी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रॉफी को या तो औपचारिक रूप से भारत भेज दिया जाएगा या दुबई में किसी भारतीय अधिकारी को सौंप दिया जाएगा, जो इसे वापस ले आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी मंगलवार तक दुबई में ही मौजूद थे, जहां एसीसी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। बता दें कि नकवी ने हाल ही में संपन्न हुई एसीसी की बैठक में ट्रॉफी को भारत में भेजने से इनकार कर दिया था।

नकवी को एसीसी से चलता करेगा बीसीसीआई

इस ट्रॉफी के विवाद के बाद से बीसीसीआई नकवी को एसीसी के अध्यक्ष पद से हटाने की योजना बना रहा है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि वे रिपोर्ट दर्ज कराने और यूएई के अधिकारियों से आग्रह करने की योजना बना रहे हैं कि नकवी के आचरण की आधिकारिक जांच होनी चाहिए। उनका तर्क है कि उनके व्यवहार ने विजेता टीम के अपमान के साथ-साथ इस मामले में राजनीति भी शामिल की है।

क्या है ट्रॉफी का पूरा विवाद?

फाइनल के बाद भारतीय टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। एसीसी अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर सुझाव दिया कि पुरस्कारों की प्रस्तुति एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से करा ली जाए, लेकिन नकवी ने ऐसा नहीं होने दिया। इसके बाद नकवी भारतीय टीम की ट्रॉफी को अपने साथ लेकर होटल रवाना हो गए। बीते मंगलवार को एसीसी की बैठक में वह ट्रॉफी देने की बात से पीछे हट गए थे।

माफी भी मांग चुका है नकवी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी ने बैठक में बीसीसीआई से खेद व्यक्त किया और माना था कि फाइनल के बाद स्थिति इतनी बिगड़नी नहीं चाहिए थी। इस गलती को स्वीकारने के बावजूद उन्होंने बीसीसीआई को सीधे तौर पर ट्रॉफी देने से इनकार किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नकवी ने सुझाव दिया कि भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव दुबई जाकर व्यक्तिगत रूप से उनसे ट्रॉफी लें। हालांकि, इस पर बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों ने आपत्ति व्यक्त की थी।

टेस्ट सीरीज : राहुल ने ठोका पचासा, सिराज ने 4, बुमराह ने चटकाए 3 विकेट

भारत के नाम रहा पहला दिन, विंडीज को 162 पर समेटा, 2 विकेट पर बनाए 121 रन

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू हुआ। पहले दिन का खेल पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 के स्कोर पर सिमट गई। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 121 रन बना लिए। केएल राहुल फिफ्टी लगाकर नाबाद हैं। गेंदबाजी में सिराज को 4 तो बुमराह को 3 विकेट मिले. वहीं, कुलदीप यादव ने भी दो विकेट झटके. वॉशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला है। यह मुकाबला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिहाज से बेहद अहम है।

भारत ने शुरुआत से ही बनाया दबाव

भारत के सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पारी की शुरुआत की। दोनों के बीच 68 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल 36 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, साई सुदर्शन भी सस्ते में निपट गए। साई के बल्ले से केवल 7 रन ही आए। केएल राहुल अर्धशतक बनाकर क्रीज में डटे हुए हैं। कप्तान शुभमन गिल उनका साथ निभा रहे हैं। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत 41 रन पीछे हैं।

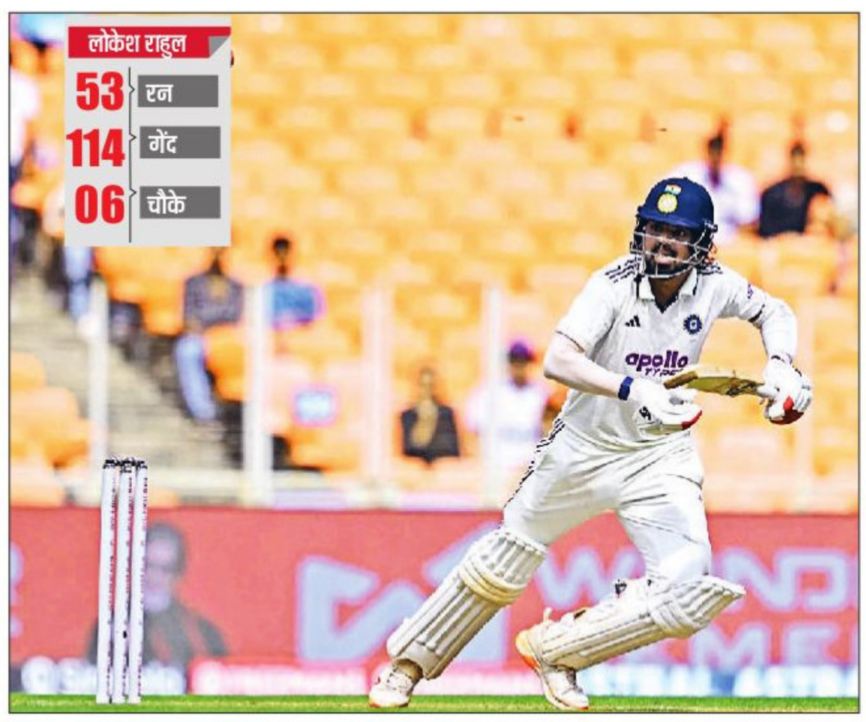

विंडीज टीम पर रहा गेंदबाजों का खौफ

पहली पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 12 रनों के स्कोर पर ही वेस्टइंडीज को पहला झटका लग गया। तेजनारायण चंद्रपॉल (0 रन) तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों लपके गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज जॉन कैम्पबेल (8 रन) को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। सिराज का कहर देखने को मिला और उन्होंने दो और विकेट झटके। लंच से पहले कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज को 5वां झटका दिया और शाई होप अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद विंडीज को 7वां झटका सुंदर ने दिया। इसके बाद बुमराह ने विंडीज को 8वां और 9वां झटका दिया। कुलदीप ने विंडीज की पारी का खात्मा किया।

पतझड़ जैसे गिरे वेस्ट इंडीज के विकेट

वेस्ट इंडीज के विकेट पतन इस प्रकार हुए- 12-1 (तेजनारायण चंद्रपॉल, 3.5 ओवर), 20-2 (जॉन कैम्पबेल, 6.1 ओवर), 39-3 (ब्रैंडन किंग, 9.6), 42-4 (एलिक अथानाज़े, 11.4), 90-5 (शाई होप, 23.2), 144-7 (खारी पियरे, 37.5), 150-8 (जस्टिन ग्रीव्स, 38.6), 153-9 (जोहान लेने, 40.1),162-10 (जोमेल वार्रिकन, 44.1)

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कैम्पबेल का जुरेल बो बुमराह	08	19	2	0
चंद्रपॉल का जुरेल बो बुमराह	00	11	0	0
ऐलेक ऐथेनाज का राहुल बो सिराज	12	24	2	0
ब्रैडन किंग बो सिराज	13	15	3	0
रॉस्टन चेज का जुरेल बो सिराज	24	43	4	0
शाई होप बो कुलदीप	26	36	3	0
जस्टिन ग्रीव्स बो बुमराह	32	48	4	0
खारे पिएरे पगबाधा सुंदर	11	34	2	0
जोमेल का जुरेल बो कुलदीप	08	16	1	0
जोहान लेन बो बुमराह	01	04	0	0
जेडेन सील्स नाबाद	06	16	0	0

अतिरिक्त: 21,
कुल योग: 44.1 ओवर 162/10 रन
गेंदबाजी: बुमराह 14-3-42-3, सिराज 14-3-40-4, रेड्डी 4-1-16-0, जडेजा 3-0-15-0, कुलदीप 6.1-0-25-2, सुंदर 3-0-9-1

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का होप बो सील्स	36	54	7	0
लोकेश राहुल खेल रहे है	53	114	6	0
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07	19	0	0
शुभमन गिल खेल रहे है	18	42	1	0

अतिरिक्त: 07,
कुल योग: 38 ओवर मे 121/2 रन
गेंदबाजी: सील्स 8-2-21-1, लायने 6-0-14-0, ग्रीव्स 4-2-19-0 वारिकन 6-2-21-0, पियरे 9-0-25-0, चेज 5-0-16-1

महिला विश्व कपः मारूफा अख्तर की शानदार गेंदबाजी

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

भाषा ▸▸| कोलंबो

रूबिया हैदर के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर की अगुवाई में अपने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने आईसीसी महिला विश्व कप के अपने पहले मैच में बृहस्पतिवार को पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। रूबिया ने 77 गेंद में आठ चौकों की मदद से नाबाद 54 रन बनाये। उन्होंने कप्तान निगार सुल्ताना (44 गेंद में 23 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 62 रन की साझेदारी भी की। बांग्लादेश ने 130 रन का लक्ष्य 113 गेंद बाकी रहते 31.1 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान को अब रविवार को भारत से खेलना है जिसने पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया है। बांग्लादेश ने सलामी बल्लेबाज फरजाना हक और शरमीन अख्तर के विकेट जल्दी गंवा दिये जिसके बाद रूबिया ने शुरू में संभलकर खेला। एक बार क्रीज पर जमने के बाद उन्होंने खुलकर स्ट्रोक्स लगाये। उन्होंने 19वें ओवर में पाकिस्तान की अनुभवी स्पिनर नशरा संधू को तीन चौके लगाकर पाकिस्तान को पूरी तरह से दबाव में ला दिया। इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 38.3 ओवर में 129 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश के लिये 20 वर्ष की तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर ने 31 रन देकर दो विकेट लिये। उन्होंने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज ओमाइमा सोहेल और दिग्गज बल्लेबाज सिदरा अमीन को खाता खोले बिना ही आउट करके पाक को करारे झटके दिये। पाक का स्कोर पहले ओवर के बाद दो रन पर दो विकेट था। बायें हाथ की स्पिनर नाहिदा अख्तर ने 19 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (17) और रमीन शमीम (23) को पावरप्ले के ओवरों के ठीक बाद पवेलियन भेजा। पाक का स्कोर पावरप्ले के ओवरों के बाद दो विकेट पर 41 रन था।

युवा टेस्ट

दूसरी पारी में बल्लेबाजी किए बिना ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को रौंदा

एजेंसी ▸▸| ब्रिसबेन

भारत अंडर-19 टीम ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 58 रन से हराकर इस दौरे पर अपना दबदबा कायम रखा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मैच के चौथे दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी दूसरी पारी आठ रन पर एक विकेट से आगे से शुरू की। पूरी टीम 49.3 ओवर में सिर्फ 127 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी में 243 रन के जवाब में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी और वेदांत त्रिवेदी के शानदार शतकों की मदद से 428 रन बनाये थे।

एक पारी 58 रन से हराया

टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी की जरूरत नहीं पड़ी। पहली पारी में पांच विकेट झटकने वाले तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने दूसरी पारी में तीन विकेट चटकाये। खिलान पटेल ने भी तीन विकेट लिए जबकि अन्मोलजीत सिंह और किशन कुमार ने दो-दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं दिया।

दूसरा टेस्ट सात अक्टूबर से

श्रृंखला का दूसरा और अंतिम युवा टेस्ट सात अक्टूबर से मैके में शुरू होगा। भारत अंडर-19 टीम ने इससे पहले तीन मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया-19 को 3-0 से हराया था।

कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

अब बांग्लादेश से कभी नहीं खेल पाएंगे शाकिब, खेल सलाहकार ने किया ऐलान

शेख हसीना को बधाई देना पड़ा भारी

एजेंसी ▸▸| ढाका

बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर आसिफ महमूद ने ये घोषणा की है कि अब शाकिब अल हसन कभी भी अपने देश से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। दरअसल, शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी थी और इससे नाराज महमूद ने ये ऐलान किया है। बता दें कि इस ऑलराउंडर ने लगभग 1 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

इस पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शाकिब ने शुभकामनाएं दी थी। इसके बाद महमूद ने खिलाड़ी का नाम लिए बिना पोस्ट में लिखा, 'आप सभी ने एक शख्स को बाहर करने के लिए मुझे बहुत गालियां दी हैं, लेकिन मैं सही था। इसके बाद शाकिब ने पोस्ट में लिखा, 'आखिरकार किसी ने मान लिया कि उन्हीं की वजह से मैं बांग्लादेश की जर्सी दोबारा नहीं पहन पाऊंगा। शायद मैं एक दिन अपनी मातृभूमि लौट जाऊंगा। बांग्लादेश, मैं तुमसे प्यार करता हूं।'

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने बार्सीलोना को दी मात, मोनाको-मैनचेस्टर सिटी का मैच ड्रा

एजेंसी ▸▸| बार्सीलोना

गोंकालो रामोस के 90वें मिनट में किये गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बार्सीलोना को 2-1 से हराया।

उस्मान डेम्बेले, डिजायर डोउए और ख्विचा क्वारात्सखेलिया जैसे अग्रिम पंक्ति के अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी गत चैंपियन पीएसजी की टीम बार्सीलोना के 'एस्तादी ओलिंपिक लुईस कंपनीस' स्टेडियम में 1-0 से पिछड़ रही थी। सेने मायुलु ने मैच के 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रामोस ने आखिरी क्षणों में गोल कर बार्सीलोना की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बार्सीलोना के लिए फेरान टोरेसे ने 19वें मिनट में मैच का पहला गोल किया था।

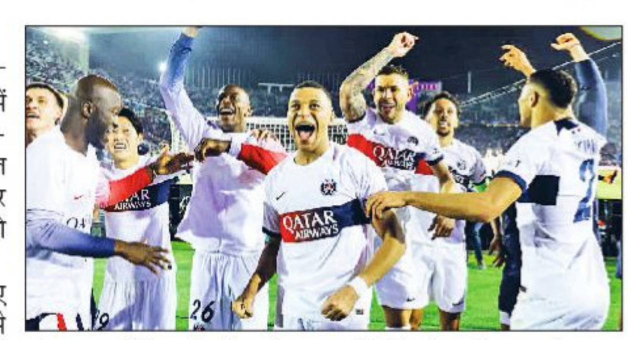

अन्य मैचों का ऐसा रहा हाल

अन्य मैचों में विलारीयाल और युवेंटस का मुकाबला भी 2-2 की बराबरी खत्म हुआ। इसमें रेनाटो वेइगा ने अंत में बराबरी का गोल किया। आर्सेनल ने ओलंपियाकोस को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड कायम रखा। नेपोली ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 2-1 से शिकस्त दी जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने एथलेटिक बिलबाओ को 4-1 से हराया। बेयर लेवरकुसेन और पीएसवी आइंडहोवन के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिपः क्लब थ्रो और चक्का फेंक में जीते पदक

धरमबीर और अतुल ने रजत और कांस्य पदक जीते

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

गत पैरालम्पिक चैम्पियन धरमबीर नैन और अतुल कौशिक ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के छठे दिन बृहस्पतिवार को भारत के लिये क्रमशः पुरूषों के क्लब थ्रो और चक्का फेंक में रजत और कांस्य पदक जीते। पेरिस पैरालम्पिक 2024 में स्वर्ण पदक और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले धरमबीर ने 29.71 मीटर के प्रयास के साथ पुरूषों के क्लब थ्रो एफ51 में दूसरा स्थान हासिल किया। सर्बिया के अलेक्जेंडर रेडिसिच को स्वर्ण और तटस्थ पैरालम्पिक खिलाड़ी उलादजिस्लाउ हरीब को कांस्य पदक मिला। भारत के प्रणव सूरमा पांचवें स्थान पर रहे। पुरूषों के चक्काफेंक एफ57 वर्ग में कौशिक 45.61 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लीबिया के महमूद रजब को स्वर्ण और विश्व रिकॉर्डधारी थियागो पोलिनो डोस सांतोस को रजत पदक मिला। पुरूषों की चक्काफेंक एफ37 स्पर्धा के फाइनल में भारत के 19 वर्ष के हानी पहले थ्रो से ही पदक की दौड़ में थे लेकिन जापान के यामातो शिम्बो ने चौथे स्थान से सीधे दूसरा स्थान हासिल करके उन्हें पोडियम से खिसका दिया। छठे दिन भारत को कोई स्वर्ण पदक नहीं मिला और तालिका में मेजबान चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य के साथ चौथे से सातवें स्थान पर खिसक गया।

ब्राजील 12 स्वर्ण, 17 रजत और सात कांस्य के साथ शीर्ष पर है जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। इससे पहले ईरान के सईद अफरूज ने पुरूषों के भालाफेंक एफ34 में और अल्जीरिया की साफिया जेलाल ने महिलाओं के शॉटपुट एफ57 वर्ग में विश्व रिकॉर्ड बनाया। अफरूज ने 41.52 मीटर के साथ अपना ही 41.16 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा जो उन्होंने पिछले साल कोबे में बनाया था। वहीं साफिया ने अपना 11.62 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 11. 67 मीटर का थ्रो किया।

डुमरी गांव में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी: जिंदा लोगों को मरा बताया

-नाम कटने से मतदान का अधिकार खतरे में

गयाजी, समस्तीपुर। पश्चिमी चंपारण के डुमरी गांव में रहने वाले गरीब राम और उनके परिवार के लिए इस बार का चुनाव एक बड़ी परेशानी बन गया है। गरीब राम ने बताया, "मेरे घर के चार लोगों को वोटर लिस्ट में मरा हुआ बता दिया गया है। मेरा, मेरी पत्नी का और दो बेटों का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। हम तो हमेशा से वोट देते आए हैं। पता नहीं इस बार क्यों नाम काट दिया। हम लोग तो मजदूरी करते हैं, वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए कहां-कहां दौड़ेंगे।" दरअसल, चुनाव आयोग की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में गरीब राम समेत गांव के 14 और लोगों के नाम 'मृतक' के रूप में दिखाए गए थे। यह जानकारी जब ग्रामीणों को मिली तो उन्होंने इसकी शिकायत की। चुनाव अधिकारी ने आश्वासन दिया कि फाइनल लिस्ट में यह गलती सुधर जाएगी। लेकिन जब 30 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट आई, तो गरीब राम और अन्य 14 लोगों के नाम फाइनल लिस्ट में भी नहीं थे। यह मामला अकेला नहीं है। डुमरी गांव की स्थिति बताती है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कितनी बड़ी हो सकती है। एक ही घर में 947 वोटर होने का मामला

सामने आया है। यह संख्या दर्शाती है कि कई लोगों के नाम या तो जोड़ दिए गए हैं या कुछ लोगों को मृतक घोषित कर दिया गया। ऐसे में ग्रामीणों की मेहनत और उनकी लोकतांत्रिक भागीदारी पर बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है। गरीब राम की तरह ही अन्य ग्रामीण भी परेशान हैं। उन्होंने बताया कि वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए उन्हें कई बार अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। मजदूरी करने वाले और समय कम रखने वाले लोग अक्सर इस प्रक्रिया में फंस जाते हैं। चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट और फाइनल लिस्ट में यह अंतर ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बन गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की गड़बड़ियों से लोकतंत्र की मूल भावना प्रभावित होती है। वोटर लिस्ट में नाम काट दिए जाने या गलत जानकारी होने से न सिर्फ मतदाता का अधिकार प्रभावित होता है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में विश्वास भी कमजोर होता है। चंपारण जिले के चुनाव अधिकारियों ने कहा कि यह तकनीकी गलती हो सकती है और सभी शिकायतों का निवारण किया जाएगा। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी गलती का प्रभाव उन्हें मतदान के समय भुगतना पड़ता है। गरीब राम और उनके परिवार की तरह कई लोग ऐसे हैं, जिनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं हैं। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि वोटर लिस्ट अपडेट करने और फाइनल लिस्ट जारी करने से पहले स्थानीय स्तर पर लोगों की जाँच और सत्यापन करना आवश्यक है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी जिंदा मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे। डुमरी गांव की इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी केवल एक आंकड़ों की त्रुटि नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर लोकतंत्र और मतदाता के अधिकार से जुड़ा हुआ मामला है। गरीब राम और उनके जैसे कई लोगों के लिए यह सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके अधिकार की लड़ाई है। अभी भी सवाल है कि ऐसे मामलों में जिम्मेदार कौन है और आम आदमी के अधिकारों की रक्षा कैसे की जाएगी। जब तक इस गड़बड़ी का समाधान नहीं होता, ग्रामीणों के लिए मतदान और लोकतंत्र का हिस्सा बनना मुश्किल बना रहेगा। पश्चिमी चंपारण के डुमरी गांव में गरीब राम और उनके परिवार के साथ वोटर लिस्ट में गंभीर गड़बड़ी सामने आई है। जिंदा लोगों को मृतक बताया गया और उनके नाम फाइनल लिस्ट में भी नहीं हैं। ऐसे मामलों से लोकतंत्र और ग्रामीणों के मतदान अधिकार पर गंभीर सवाल उठते हैं।

IAF चीफ बोले: पाकिस्तान के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां

-भारत ने F16 और J17 को किया तबाह

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से भारत के जेट गिराने के दावों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि ये दावे "मनोहर कहानियां" जैसी हैं और अगर पाकिस्तान के पास सच में कोई सबूत है तो उन्हें पेश करना चाहिए। एयर चीफ ने स्पष्ट किया कि भारत ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट तबाह किए हैं, जिनमें अमेरिका के F16 और चीन के J17 जेट भी शामिल हैं। एयर चीफ ने यह बयान ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में दिया, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर की गहराई तक घुसकर हमला किया था। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने निर्णय लिया कि ऐसे आतंकियों और उनके समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि सेना को इस ऑपरेशन में पूरी खुली छूट दी गई थी और हमले को बेहद सटीकता से अंजाम दिया गया। एयर चीफ ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में पाँच लड़ाकू विमान नष्ट किए। इसके अलावा, एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह सतह से हवा में टारगेट हिट करने का अब तक का रिकॉर्ड है, जिसे वायुसेना ने बड़ी कुशलता और परिश्रम के साथ अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सटीक और दूरदराज के हमलों से पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए खुद पहल करनी पड़ी। एयर चीफ ने यह भी कहा कि भारतीय वायुसेना हमेशा अपनी ताकत और क्षमता के प्रति सजग रहती है और किसी भी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार रहती है। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे दावों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके पास ऐसे दावे साबित करने के लिए ठोस सबूत नहीं हैं। "अगर पाकिस्तान के पास सच में कोई सबूत है तो उन्हें पेश करें। हम खुला और पारदर्शी दृष्टिकोण रखते हैं," उन्होंने जोर देकर कहा। यह दूसरी बार है जब एयर चीफ ने पाकिस्तान को हुए नुकसान की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी है। इससे पहले 9 अगस्त को उन्होंने बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमान गिराए गए थे।

करूर भगदड़: CBI जांच खारिज

-पीड़ितों के लिए मुआवजे पर स्टालिन सरकार को नोटिस

मदुरै। मदुरै की मद्रास हाईकोर्ट बेंच ने शुक्रवार को करूर भगदड़ मामले की सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता कोई सीधे पीड़ित व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक राजनीतिक पार्टी के नेता हैं। न्यायालय ने कहा कि किसी एक व्यक्ति की गलती के कारण पूरी जांच को रोकना न्यायसंगत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अब हमें उन लोगों के बारे में सोचना चाहिए जिन्होंने इस घटना में अपनी जान गंवाई। यदि कोई वास्तविक पीड़ित मदद के लिए अदालत के पास आता है, तो उसकी मदद की जाएगी। इस मामले से जुड़ी सात जनहित याचिकाएं जस्टिस एम. धंदपानी और जस्टिस एम. जोतिरमन की दशहरा वेकेशन बेंच में लिस्ट की गई थीं। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। वहीं, अतिरिक्त मुआवजा राशि की मांग वाली याचिका पर स्टालिन सरकार को नोटिस जारी किया गया है, ताकि मृतकों के परिवारों और घायल लोगों को उचित मुआवजा सुनिश्चित किया जा सके। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता केवल राजनीतिक हित से जुड़ा मामला पेश कर रहे हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्तिगत गलती के आधार पर पूरी जांच रोकना उचित नहीं होगा। इस तरह से अदालत ने जांच प्रक्रिया को जारी रखने की संभावना बरकरार रखी। मामला 27 सितंबर का है, जब तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की रैली के दौरान भगदड़ मची थी। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हुई और 100 से अधिक लोग घायल हुए। घटना की गंभीरता को देखते हुए कई जनहित याचिकाएं दाखिल की गई थीं। सुनवाई के दौरान मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस एन. सेंथिल वी कुमार ने टीवीके नमक्कल जिला सचिव एन. सतीश कुमार की अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी। न्यायाधीश ने सवाल उठाया कि विजय के रोड शो के दौरान पार्टी ने भीड़,

कार्यकर्ताओं के अनियंत्रित व्यवहार और उत्पात को रोकने में क्यों विफल रही। साथ ही, सार्वजनिक संपत्तियों को होने वाले नुकसान को रोकने में पार्टी की जिम्मेदारी की ओर भी ध्यान दिलाया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तबाही की जिम्मेदारी केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं हो सकती। घटना की गहराई और प्रभावित परिवारों के हितों को देखते हुए अदालत ने यह निर्णय लिया कि जांच पूरी तरह जारी रहे। साथ ही कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि SOP (Standard Operating Procedure) बन जाने तक हाईवे और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह की रैली या रोड शो पर रोक लगाई जाए। इस प्रकार, अदालत ने न केवल जांच की प्रक्रिया को बनाए रखा, बल्कि पीड़ितों के हितों और सार्वजनिक सुरक्षा को भी ध्यान में रखा। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राजनीतिक पार्टियों और आयोजकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। करूर भगदड़ ने तमिलनाडु में सार्वजनिक सुरक्षा और रैली संचालन के नियमों पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। अदालत की सुनवाई और आगे की कार्यवाही से यह स्पष्ट होगा कि मृतकों और घायलों को न्याय और मुआवजा कैसे मिलेगा, और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

पुतिन का साफ संदेश: अमेरिका के दबाव में भारत नहीं झुकेगा

-PM मोदी पर जताया भरोसा

सोची (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी दबाव की आलोचना करते हुए कहा है कि भारत अपने फैसलों में कभी भी किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। उन्होंने गुरुवार को सोची शहर में आयोजित वाल्डाई पॉलिसी फोरम में यह बयान दिया। पुतिन ने खास तौर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा कि PM मोदी कभी भी ऐसा फैसला नहीं करेंगे जो भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित के खिलाफ हो। पुतिन ने इस संदर्भ में अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा नीति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर रूस के ट्रेड पार्टनर्स पर ऊंचे टैरिफ लगाए जाते हैं, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। तेल की कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को मजबूरी में ब्याज दरें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी हो सकती है। रूस और भारत के संबंधों को लेकर पुतिन ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में लोग

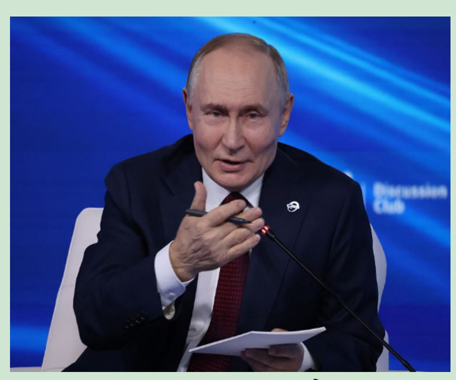

अपने नेताओं के फैसलों पर नज़र रखते हैं। वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश किसी बाहरी दबाव के आगे झुके। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भारत रूसी तेल की खरीद बंद करता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस के तेल के बिना दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा। अगर रूस की तेल आपूर्ति रुकती है, तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से ऊपर जा सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस और भारत के बीच व्यापारिक रिश्ते केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। इस बयान से यह स्पष्ट है कि पुतिन भारत को एक मजबूत और स्वतंत्र साझेदार मानते हैं और अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत अपने हितों के लिए स्थिर निर्णय लेने में सक्षम है।

कश्मीर में बर्फबारी से सर्दी की शुरुआत

-बिहार-छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली। कश्मीर में शुक्रवार को इस मौसम की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। गुलमर्ग, सोनमर्ग और गुरेज के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहाड़ की चोटियां सफेद हो गईं हैं। मौसम ने यहां का नज़ारा मानो जन्नत जैसा बना दिया है। वहीं, मैदानी इलाकों जैसे श्रीनगर में हल्की बारिश हुई, जिससे मौसम ठंडा और खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग (IMD) ने गुरुवार को ही चेतावनी दी थी कि जम्मू-कश्मीर में 5 से 7 अक्टूबर के बीच भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। हालांकि, इससे पहले ही बर्फबारी और बारिश शुरू हो गई। इस बदलाव से पर्यटक काफी उत्साहित हैं और स्थानीय लोगों के बीच एक त्योहार जैसा माहौल बन गया है। गुलमर्ग और सोनमर्ग में बर्फबारी का अनुभव लेने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आ रहे हैं। स्थानीय दुकानों और होटल व्यवसाय में भी इस मौसम के चलते हलचल देखने को मिल रही है। इधर, बिहार और छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने भारी बारिश के चलते रेड अलर्ट जारी किया है। बिहार के सभी 38 जिलों और छत्तीसगढ़ के 28 जिलों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। गुरुवार को ही बिहार के कई जिलों में लगातार बारिश हुई, जिससे दुर्गा पंडालों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खासकर शहरों में जलजमाव की समस्या देखने को मिली। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि नदी और नालों के किनारे रहने वाले लोग सावधानी बरतें। इसके अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भी भारी वर्षा की संभावना है। बारिश का यह दौर 6 और 7 अक्टूबर तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लोग विशेषकर सड़कों और पहाड़ी क्षेत्रों में सावधानी रखें।

हिमाचल प्रदेश में भी मौसम की स्थिति बदल रही है। कांगड़ा जिले में शुक्रवार सुबह भारी बारिश के साथ ओले गिरे। इसके अलावा धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं में गुरुवार रात हल्की बर्फबारी हुई थी। धर्मशाला में न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जल्द ही हिमाचल प्रदेश में सर्दी का मौसम पूरी तरह से शुरू हो जाएगा। कश्मीर में बर्फबारी और अन्य राज्यों में बारिश से किसानों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों के जीवन पर असर पड़ा है। किसानों के लिए यह मौसम फसलों के लिए लाभकारी हो सकता है, लेकिन भारी बारिश और ओले फसलों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। वहीं, पर्यटक क्षेत्रों में बर्फबारी ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है। कुल मिलाकर देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में मौसम का अचानक बदलाव देखा जा रहा है। कश्मीर और हिमाचल में ठंड बढ़ने लगी है, जबकि बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य पूर्वी राज्यों में बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया है।

बरेली और यूपी में जुमे की नमाज पर हाईअलर्ट:

-10 हजार जवान तैनात, इंटरनेट बंद, ड्रोन निगरानी और मॉक ड्रिल

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश में जुमे की नमाज के मद्देनज़र प्रशासन ने हाईअलर्ट घोषित कर दिया है। बरेली में पिछले जुमे को हुए बवाल के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया गया है। संवेदनशील इलाकों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और करीब 10 हजार जवान तैनात किए गए हैं। जिले के SSP और DM खुद सड़कों पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बरेली में प्रशासन ने कल ही इंटरनेट सेवा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इसके पीछे उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकना बताया गया है। शहर में पुलिस बल के साथ-साथ ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को तुरंत रोका जा सके। काशी यानी वाराणसी में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कैंट रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर ATS कमांडो ने मॉक ड्रिल की है। मॉक ड्रिल का मकसद यह है कि किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी में पुलिस बल लगातार सड़कों पर गश्त कर रहा है और फ्लैग मार्च किया जा रहा है। गोंडा जिले में आईजी रेंज खुद सड़कों पर उतरकर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। संभल जिले में जामा मस्जिद के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा कड़ी की गई है ताकि कोई भी अप्रिय घटना न घटे। प्रदेश के सभी 75 जिलों में पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसके पीछे कारण यह है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 3 अक्टूबर को भारत बंद का आह्वान किया था। हालांकि, बाद में त्योहारों को देखते हुए इसे वापस ले लिया गया, लेकिन प्रशासन सतर्क रहने पर ज़ोर दे रहा है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा की दृष्टि से कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। शहरों में वाहनों और भीड़ पर निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों की मदद से भी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इंटरनेट बंद करना और ड्रोन निगरानी जैसी तैयारियों का उद्देश्य केवल अफवाह फैलने से रोकना है। इसके अलावा, पुलिस की फ्लैग मार्च और मॉक ड्रिल जनता को यह संदेश देने के लिए है कि प्रशासन पूरी तरह तैयार है। हालांकि, आम लोग जुमे की नमाज के लिए सुरक्षित माहौल की उम्मीद कर रहे हैं। प्रशासन ने भी बार-बार कहा है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और पुलिस के निर्देशों का पालन करें। इस दौरान, जिले में व्यापारिक गतिविधियों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन संवेदनशील इलाकों में दुकानों और बाजारों की निगरानी की जा रही है। सुरक्षा बल लगातार पैदल और वाहन गश्त कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। वहीं, आम लोगों से अपील की गई है कि वे संयम बनाए रखें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। इस तरह बरेली, काशी, कानपुर, प्रयागराज, गोंडा, संभल और प्रदेश के अन्य जिलों में जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क और चौकस रखी गई है। प्रशासन का मकसद है कि इस दौरान शांति बनी रहे और किसी भी प्रकार की हिंसा या अफवाहों से प्रदेश के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। कुल मिलाकर, यूपी में जुमे की नमाज के अवसर पर हाईअलर्ट जारी है, इंटरनेट सेवाएं कुछ क्षेत्रों में बंद हैं, दस हजार से अधिक जवान तैनात हैं, और हर संवेदनशील जगह पर पुलिस बल, ड्रोन और मॉक ड्रिल जैसी तैयारियों से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को न्यूनतम करने की कोशिश की जा रही है।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में पुलिस का छापा:

-PoK हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों की पिटाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में गुरुवार को एक बड़ा विवाद तब खड़ा हो गया जब पुलिस ने अचानक प्रेस क्लब में घुसकर वहां प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर लाठियां बरसाईं। यह प्रदर्शन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में हो रहे अत्याचारों और इंटरनेट ब्लैकआउट के खिलाफ किया जा रहा था। पत्रकारों का आरोप है कि PoK में लोगों की आवाज़ को दबाने के लिए लगातार इंटरनेट बंद रखा जा रहा है और सुरक्षा बल वहां के नागरिकों के साथ हिंसा कर रहे हैं। प्रेस क्लब के भीतर हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। इनमें साफ देखा जा सकता है कि पुलिस ने पत्रकारों और आम नागरिकों को बेरहमी से पीटा, जिससे कई लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरे पाकिस्तान में गुस्से की लहर दौड़ गई है। पत्रकार संगठनों और विपक्षी दलों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला करार दिया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच के आदेश दिए हैं। नकवी ने कहा कि प्रेस की आज़ादी पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पाकिस्तान फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (PFUJ) समेत कई पत्रकार संगठनों ने शुक्रवार को देशव्यापी विरोध का ऐलान किया है। उनका कहना है कि अगर पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। खासतौर पर तब जब PoK में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और इंटरनेट बंदी ने पहले ही हालात तनावपूर्ण बना रखे हैं।

मोरक्को में GenZ आंदोलन हिंसक:

-वर्ल्ड कप पर अरबों डॉलर खर्च, अस्पताल-शिक्षा बदहाल

मोरक्को (एजेंसी)। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को इन दिनों बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार की मांग को लेकर भड़का GenZ आंदोलन अब हिंसक रूप ले चुका है। राजधानी रबात समेत कई शहरों में युवाओं ने सड़कों पर उतरकर नाराजगी जताई। गुस्से में आकर प्रदर्शनकारियों ने बैंकों में आग लगा दी और दुकानों व गाड़ियों में तोड़फोड़ की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने सख्ती दिखाई। आगादिर शहर में पुलिस फायरिंग में तीन युवाओं की मौत हो गई। वहीं अब तक एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। हिंसा और झड़पों में 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या सुरक्षाकर्मियों की है। मंत्रालय की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि लगभग 70% प्रदर्शनकारी नाबालिग थे, यानी आंदोलन की अगुवाई स्कूली और कॉलेज के छात्रों ने की। युवाओं का कहना है कि सरकार जनता की बुनियादी जरूरतों को दरकिनार कर रही है। मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस जैसे बड़े खेल आयोजनों पर लगभग 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने जा रही है। जबकि सरकारी अस्पतालों में दवाइयों, बेड और स्टाफ की भारी कमी है। शिक्षा व्यवस्था भी लंबे समय से कमजोर हालत में है। युवाओं ने तंज कसा कि "हमारे पास इलाज और पढ़ाई के लिए सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन सरकार दुनिया को दिखाने के लिए अरबों डॉलर फूंक रही है।" इस असंतोष ने पूरे मोरक्को में राजनीतिक और सामाजिक संकट खड़ा कर दिया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,